ई-विद्यालय पत्रिका

(सत्र 2021-22)

"पलाश"

केन्द्रीय विद्यालय नलेटी (हि. प्र.)

CHIEF PATRON

MRS. NIDHI PANDEY

{COMMISSIONER, KVS (HQ), NEW DELHI}

OUR PATRON

MR. S.S. CHAUHAN

{DEPUTY COMMISSIONER, KVS, R.O. GURGAON}

OUR MENTORS

MR. SALIL SAXENA
{AC, KVS RO, GURGAON}

MR. R. PRAMOD
{AC, KVS RO, GURGAON}

SCHOOL MAGAZINE- 2022

CHAIRMAN, V.M.C.

DR. NIPUN JINDAL

IAS, DEPUTY COMMISSIONER, KANGRA

CHAIRMAN (NOMINEE), V.M.C

MR. SANKALP GAUTAM

HAS, SDM, DEHRA

PRINCIPAL

MRS. SWATY AGARWAL

K.V. NALETI

EDITOR

MR. CHANDRA PRAKASH
P.G.T. HINDI

CO-EDITOR

MR. NARINDER KUMAR
P.G.T ENGLISH

संदेश

तत्कर्म यन्न बंधाय सा विद्या या विमुक्तये ।
आयासायापरम कर्म विद्यान्या शिल्पनैपुणम ॥
-श्रीविष्णुपुराण

अर्थात जो बंधन उत्पन्न न करे वही कर्म है जो मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करे वह विद्या है। शेष कर्म परिश्रमरूप है। तथा अन्य विद्यायें तो मात्र कला कौशल ही है।

भारतीय ऋषि-मुनियों व मनीषियों ने ज्ञान (विद्या) को मनुष्य की मुक्ति का साधन कहा है। मनुष्य को भय, भूख, दुर्विकार दुष्प्रवृत्तियाँ, दुराचरण, निर्बलता, दीनता व हीनता, रोग, शोक इत्यादि से मुक्ति की अभिलाषा अनंतकाल से है। श्रीविष्णुपुराण का उपरोक्त महावाक्य यही संदेश देता है कि मनुष्य को ज्ञान के द्वारा अपने समस्त क्लेशों से मुक्ति पाने का पुरुषार्थ करना चाहिए। विद्या त्याग और तपस्या का सुफल होता है इसलिए ज्ञानकी उपलब्धि सदैव श्रमसाध्य है।

आइये हम सभी अनुशासित होकर, समर्पण भाव से समस्त उपलब्ध साधनों का मर्यादापूर्वक उपभोग करते हुए ज्ञानार्जन का सद्प्रयास करें। अपनी दिनचर्या में उचित आहार विहार और विचार का समावेश करते हुए व्यक्ति के रूप में प्रकृति प्रदत्त अनंत संभावनाओं को ज्ञान की पवित्र ऊर्जा के आलोक में पल्लवित व पुष्पित करें।हम सभी कृष्ण यजुर्वेद के तैत्रीय उपनिषद के इस सूत्र का प्रतिदिन अपने विद्यालयों में प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में सस्वरपाठ करते हैं:

ॐ सह नाववतु सह नौ भुनक्तु, सह वीर्यम करवावहै ।
तेजस्वि नावधीतमस्तु मा विद्विषावहै, ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ।।

आइये. इस सूत्र में छुपे महान संदेश को समझें और अपने जीवन में आत्मसात कर अपना नित्य कर्म करें। मैं विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ और एक सफल व सुखद भविष्य की कामना करता हूँ।

सरदार सिंह चौहान
उपायुक्त
के.वि.सं. ,क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

प्राचार्या का संदेश

मुझे सत्र 2021-22 के लिए ई – पत्रिका 'पलाश' के इस अंक को आप सब के समक्ष रखते हुए बेहद खुशी हो रही रही है।

'पलाश' पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति को एक मंच मिला हैं। पलाश का वृक्ष कोई छुईमुई समुदाय का नहीं जो छूते ही शर्म से मुरझा जाए। इसमें हाड़कंपाऊ ठंड में मुस्कराते रहने की क्षमता है तो तन जलाने वाली गर्मी में भी हँसते रहने की ताकत है। यह वृक्ष हर परिस्थिति में साहस के साथ उत्साह ,उमंग और हमेशा मस्ती में रहने की प्रेरणा देता है। साहस और जोश के साथ सामना की जाने वाली चुनौतियाँ सर्वांगीण पूर्णता लाने में मदद करती हैं। प्रतिभा, समर्पण और कड़ी मेहनत किसी भी लक्ष्य की प्रगति और उपलब्धि के साथ-साथ युवा दिमाग में सर्वोत्तम मूल्यों को विकसित करने में प्रमुख भूमिका निभाती है। मुझे यह कहते हुए अपार खुशी हो रही है कि लेखों, कहानियों और कविताओं आदि में मौजूद नवीन विचार और अभिव्यक्तियाँ हमारे छात्रों के उत्साह का परिणाम हैं, जो हमारे शिक्षक सदस्यों के मार्गदर्शन में सही दिशा की ओर अग्रसर हैं। केन्द्रीय विद्यालय नलेटी के छात्र हर क्षेत्र में अपनी खुशबू बिखेर रहे हैं। मैं सभी शिक्षकों, छात्रों को बोर्ड कक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम देने के लिए और अभिभावकों को सक्रिय सहयोग देने हेतु बधाई देती हूँ ।

के.वि. नलेटी को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने में बहुमूल्य समर्थन और मार्गदर्शन के लिए हमारे माननीय आयुक्त महोदय, सहायक आयुक्त महोदय, अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रति मेरा अत्यधिक आभार। मैं शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में उनके ईमानदार प्रयासों के लिए भी छात्रों को बधाई देती हूं, जिन्होंने इस 'पलाश' पत्रिका को साकार रूप में सामने लाने में सक्रिय योगदान दिया।

मुझे आशा है कि 'पलाश' पत्रिका विद्यार्थियों में नव चेतना जाग्रत करने में पूर्णत: सफल होगी तथा साथ ही समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन भी कर पाएँगी। मैं समस्त विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ ।

" सौभाग्य और दुर्भाग्य मनुष्य की दुर्बलताओं के नाम हैं।
मैं तो पुरुषार्थ को ही सबका नियामक समझता हूँ।
पुरुषार्थ ही सौभाग्य को सींचता है।"
– जयशंकर प्रसाद

स्वाति अग्रवाल
प्राचार्या

विद्यालय परिवार

संपादक - मंडल

सत्र 2020-21

परीक्षा परिणाम

कक्षा दसवीं

कुल विद्यार्थी:	46
उत्तीर्ण:	46
उत्तीर्ण प्रतिशत:	100%
प्रगति सूचकांक:	63.15

परीक्षा परिणाम

कक्षा बारहवीं

कुल विद्यार्थी:	38
उत्तीर्ण:	38
उत्तीर्ण प्रतिशत:	100%
प्रगति सूचकांक:	75.13

कक्षा बारहवीं, (विज्ञान)

कुल विद्यार्थी:	28
उत्तीर्ण:	28
उत्तीर्ण प्रतिशत:	100%

कक्षा बारहवीं, (वाणिज्य)

कुल विद्यार्थी:	10
उत्तीर्ण:	10
उत्तीर्ण प्रतिशत:	100%

कक्षा दसवीं के चमकते सितारे

ULLASITA
(94.8%)

DHRUV SHARMA
(94.4%)

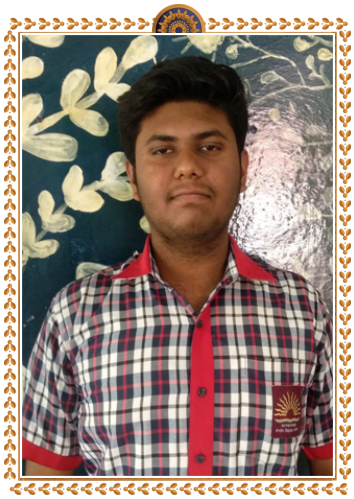

AIKAGRA GUPTA
(94%)

कक्षा बारहवीं (विज्ञान)के अव्वल विद्यार्थी

MANSHI SHARMA
(95.2%)

AKSHITA GARG
94.6%

TAMANNA MANHAS
93.6%

कक्षा बारहवीं (वाणिज्य)के होनहार विद्यार्थी

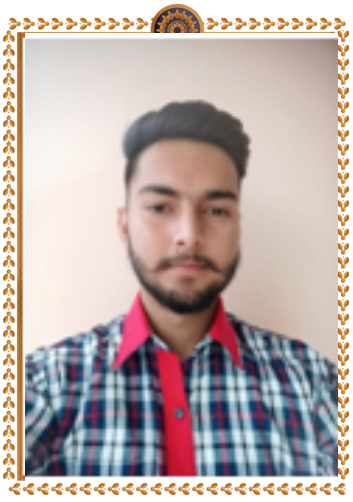

ANMOL
90.6%

KSHITIJ
88.8%

KRITI
88%

सत्र का शुभारम्भ,
माँ सरस्वती के आशीर्वाद के संग

समरसता दिवस (डॉ अम्बेडकर जयंती)

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2021

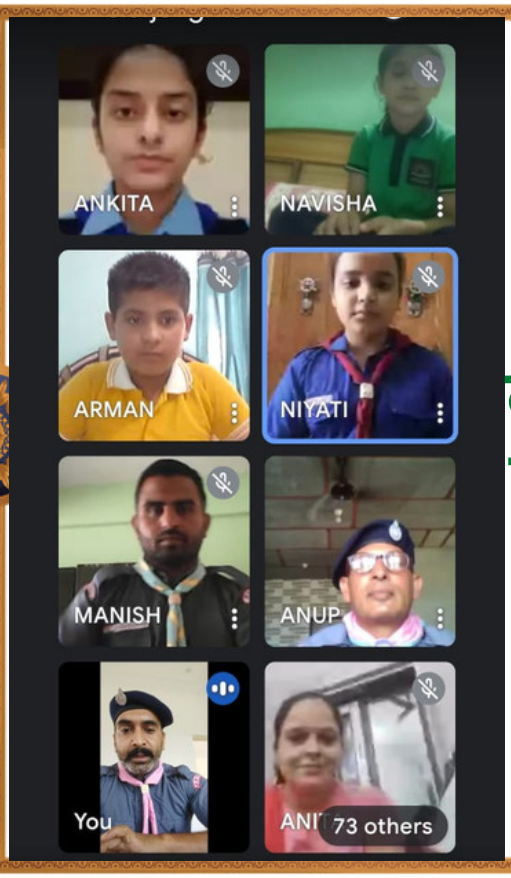

स्काउट गाइड दीक्षान्त समारोह जुलाई 2021

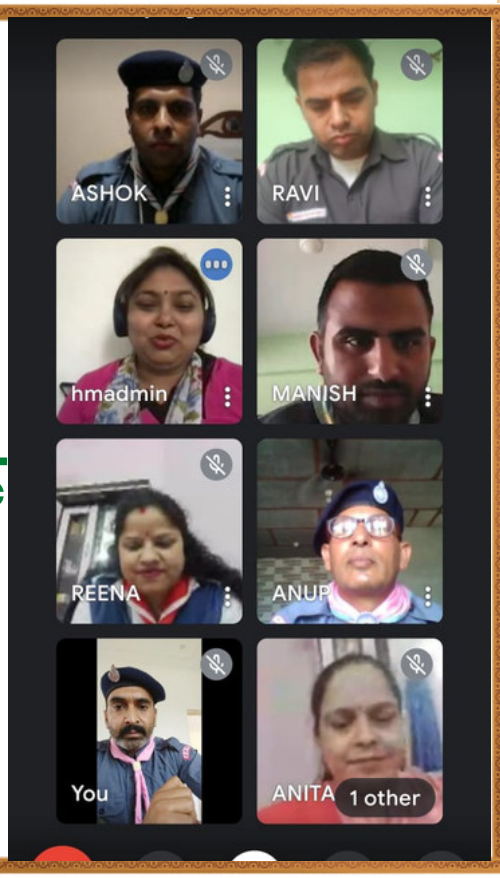

शहीदों और वीर सैनिकों को शत शत नमन और प्रणाम

कक्षा प्रथम (2021-22)मे प्रवेश हेतु ऑनलाइन लॉटरी

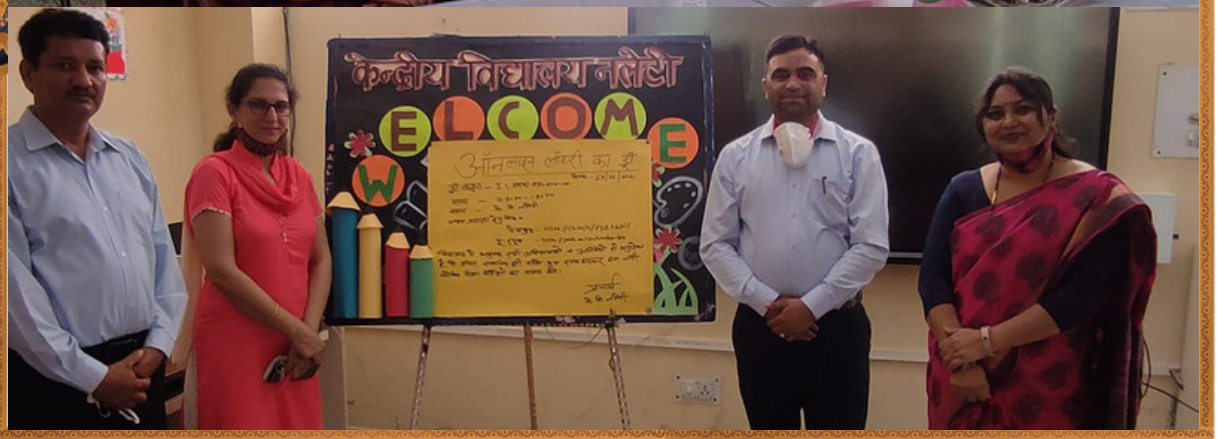

संस्कृत सप्ताह समारोह उद्घाटन

विद्यालय प्रांगण में माँ सरस्वती की मूर्ति स्थापना

स्वतंत्रता दिवस समारोह (2021) की झलकियाँ

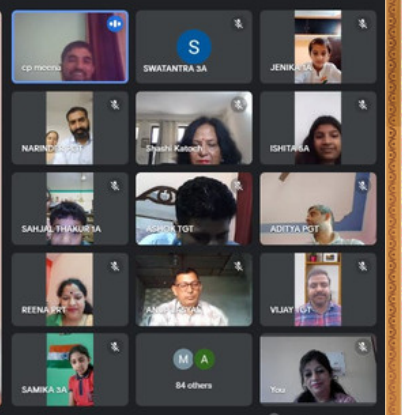

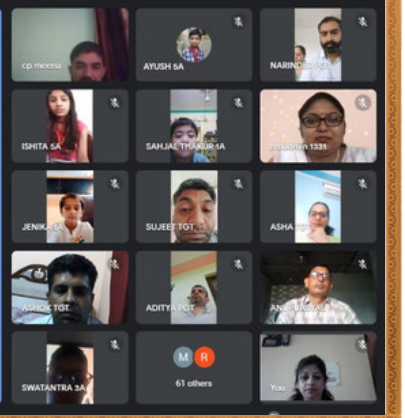

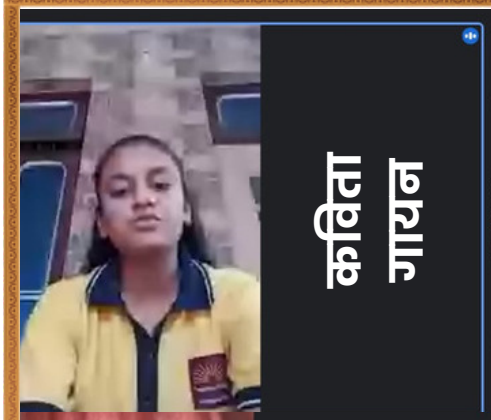

कविता गायन

देशभक्ति गीत

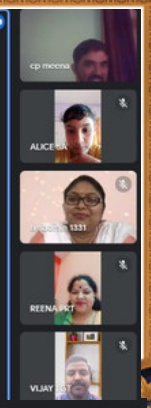

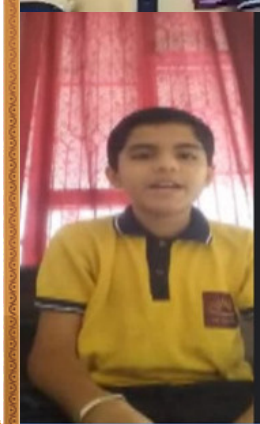

कविता गायन

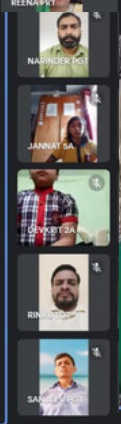

देशभक्ति भाषण

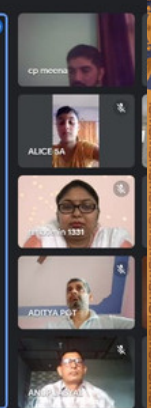

National Sports Day, August 29,2021

अध्यापक दिवस समारोह

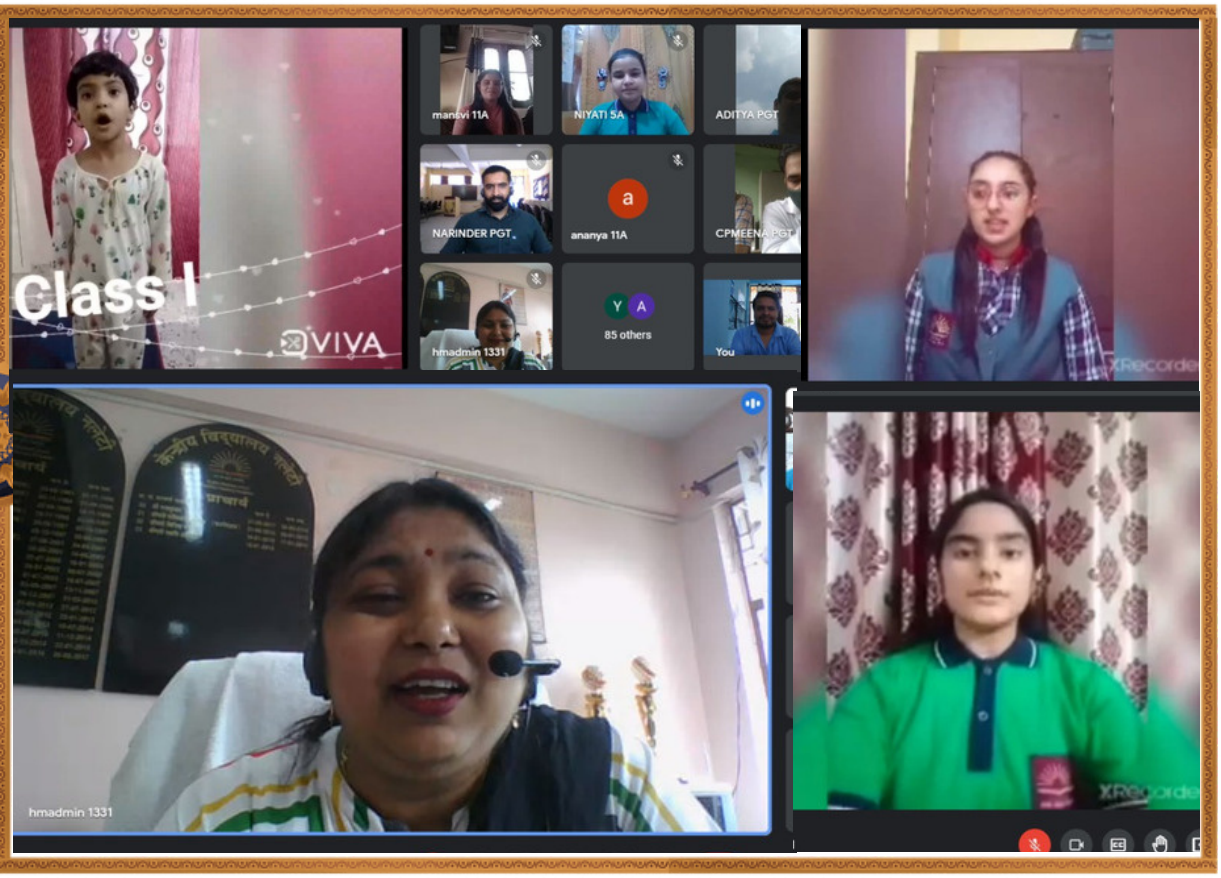

वार्षिक शैक्षणिक निरीक्षण (2021)
(ऑनलाइन माध्यम द्वारा)

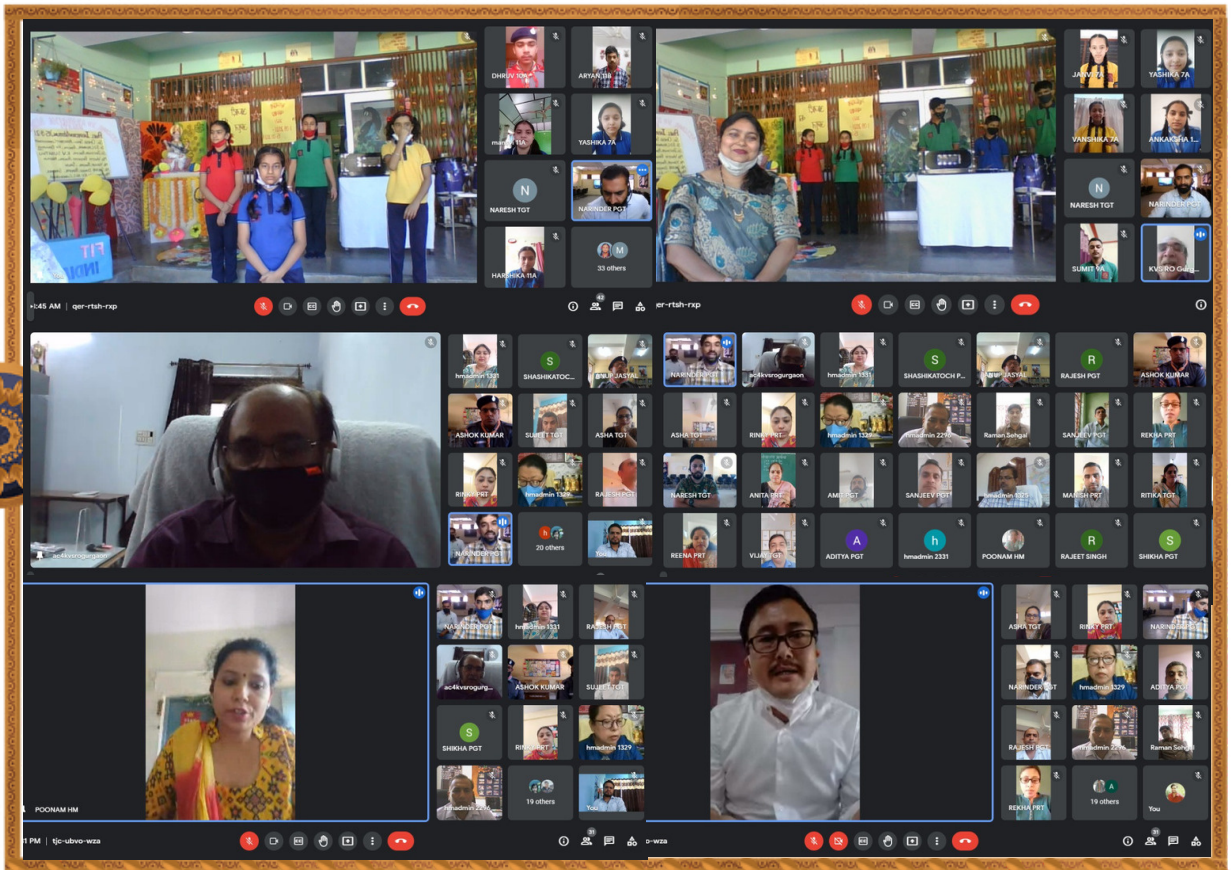

हिंदी पखवाड़ा उद्घाटन 2021

आज़ादी का अमृत महोत्सव

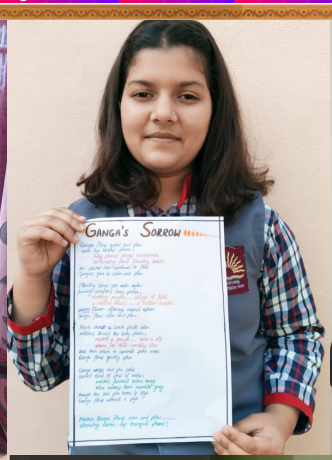

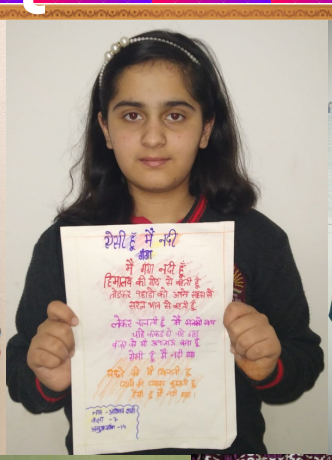

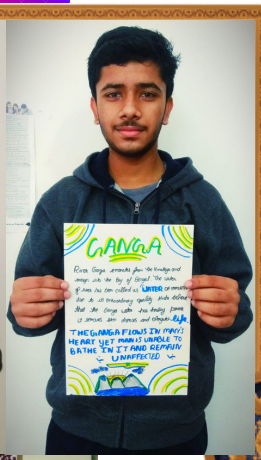

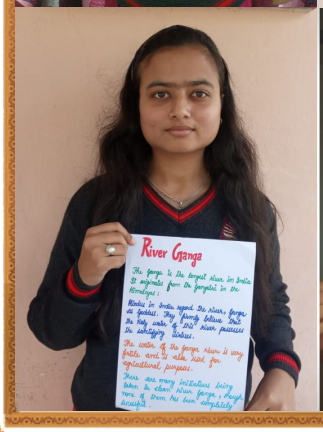

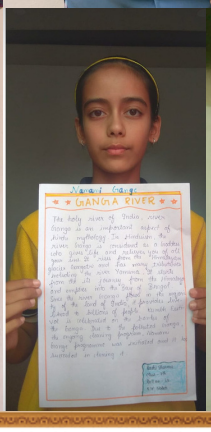

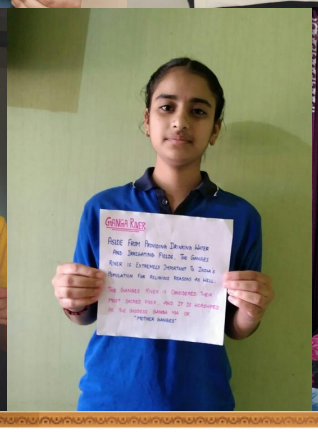

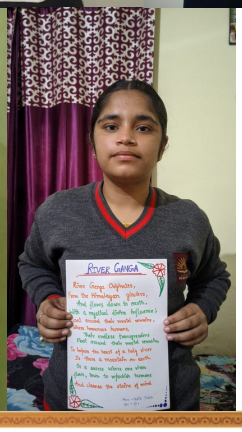

नमामि गंगे

Welcome Back to School after Lockdown

National Education Day Celebration

साइबर जागरूकता दिवस

बतौर मुख्य अतिथि, डी.एस. पी. देहरा, श्री अंकित शर्मा द्वारा शिरकत

Vocational Toys Fair

Career Guidance & Counselling Session

By: First Verdict Media Reporter, Mr. Vinayak Thakur

हिन्दी

अनुभाग

निज भाषा का नहीं गर्व जिसे
क्या प्रेम देश से होगा उसे
वही वीर देश का प्यारा है
हिन्दी ही जिसका नारा है

संपादक की कलम से

बहुत ही हर्ष का विषय हैं कि केन्द्रीय विद्यालय नलेटी अपनी पत्रिका 'पलाश' का प्रकाशन करने जा रहा है | पलाश एक वृक्ष है, जिसके फूल बहुत ही आकर्षक होते हैं | इसके आकर्षक फूलों के कारण इसे "जंगल की आग" भी कहा जाता है |'पलाश' का पुष्प अपने मोहक रंगों से उत्साह की प्रेरणा देने वाला प्रकृति का अनोखा उपहार है| पलाश का पेड़ एक ऐसा उपहार है,जो जीवन को न केवल स्वस्थ बनाता है, बल्कि अपने मोहक रंगों से उत्साह ,उमंग और हमेशा आनंद में रहने की प्रेरणा भी देता है | जिस प्रकार 'पलाश' के आकर्षक फूल आँखों को अपनी ओर खींच लेता है, उसी प्रकार आकर्षक लेखन मानव चित्त को अपनी ओर मोड़ लेता है |

'लेखन एक ऐसी प्रक्रिया है जो मानव चिंतन प्रक्रिया से होकर गुजरती है | कभी कल्पनाओं के सागर से होकर पल्लवित होती है तो कभी वास्तविक सामाजिक परिवेश में पल रही बुराईयों पर कटाक्ष बन कर उभरती है | बालपन से ही लेखन की ओर बच्चों को आकर्षित करने की दिशा में यह 'पलाश' पत्रिका एक मील का पत्थर साबित हो सकती है | लेखन के साथ-साथ बच्चों में कला के प्रति भी रुचि जागृत करना,नैतिक गुणों का विकास करना भी शिक्षा का उद्देश्य है | विद्यालय शिक्षा के दौरान ही बच्चों मे अच्छी आदतों का विकास किया जा सकता है | हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हम बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर ही गतिविधियों को संचालित करें जो कि इन बच्चों को साधारण से ऊपर उठाकर असाधारण की श्रेणी में खड़ा कर सके |

मैं बच्चों को 'पलाश' पत्रिका के मूर्त रूप पदार्पण हेतु उनके प्रयासों के रूप में किए गए विविध रचनात्मक लेखकीय कर्म के लिए बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि निकट भविष्य में भी बच्चे इसी तरह से प्रयासरत रहेंगे और अपने विद्यालय और अपने माता – पिता का नाम रोशन करेंगे | मैं संपादकीय समिति के सभी सदस्यों का भी उनके सहयोग के लिए उनका आभार प्रकट करता हूँ |

" तोते जैसी लाल चोंच वाला, यह फूल आम आदमी व प्रकृति के लिए अत्यंत उपयोगी है|

इसका केसरिया रंग साधू संतों का वस्त्र है, हमें गर्व है कि हमारे भारत के झंडे में भी केसरिया रंग है|"

चन्द्र प्रकाश मीना
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)

मेरी सहेली

मैं आराध्या कालिया ,
मेरी सहेली आराध्या वालिया।
हम दोनों , एक जैसी।
रहती हैं सबसे अकेली।
चुप रहना न है उसको पसंद
खेलती-कूदती, घूमती- फिरती,
खाती- पाती और सोती बिलकुल भी
न रोती।
वालिया- वालिया जब मैं बोलूँ ,
कालिया- कालिया हाँ वो बोले।
चल खेलें धूम मचाएँ ,
पढ़ने को न जरा भी भाए।
विद्यालय में हम हमेशा मिलते,
अध्यापक भी हमें देखते जायें।
सब कहते हैं चुप हो जाओ ,
पर, हम किसी के हाथ न आए।

आराध्या कालिया, कक्षा : चार

बेटी

जब- जब जन्म लेती है बेटी ,
खुशियाँ साथ लाती है बेटी।
ईश्वर की सौगात है बेटी ,
सुबह की पहली किरण है बेटी।
तारों की शीतल छाया है बेटी ,
आँगन की चिड़िया है बेटी ,
त्याग और समर्पण सिखाती है बेटी ,
नए -नए रिश्ते बनाती है बेटी।
जिस घर जाए , उजाला लाती है बेटी ,
बार – बार याद आती है बेटी।
बेटी की कीमत उनसे पूछो ,
जिनके पास नहीं है बेटी।

कनुश्री, कक्षा : 2

मेरा विद्यालय

जन्नत से भी बढ़कर है ,
मेरे लिए मेरा विद्यालय।
पहला स्कूल भले हो परिवार ,
लेकिन विद्यालय में मिले अच्छे विचारों से,
आ जाती है संस्कारों में बहार।
मेरी कक्षा का नाम है चार ,
और मेरी प्राचार्या जी का नाम है
श्रीमती स्वाति अग्रवाल।
सारे जहान से अच्छा है हिन्दुस्तान ,
मेरे लिए हैं मेरा विद्यालय महान।

देवकृत कुमार ओझा, कक्षा : चार

मैं एक छोटा बच्चा हूँ

थोड़ा अक्ल का कच्चा हूँ।
के.वि. एस. की कक्षा चार में पढ़ता ,
लिखने – पढ़ने में, मैं अच्छा हूँ।
मैं एक छोटा बच्चा हूँ।
नानी का मैं राजा , बाबा का मैं छइया हूँ ,
आकाश चाचा का मैं गणेश ,
काका का मैं भईया हूँ।
पापा का बेटा, माँ का कुच्चा,
मैं एक छोटा बच्चा हूँ।
खेलता -कूदता और शरारत करता ,
माँ की डांट से मैं बचता हूँ।
मैं एक छोटा बच्चा हूँ ,
थोड़ा अक्ल का कच्चा हूँ।
मैं गणेशा, जीवो से प्यार करता हूँ।
हाथी, मेरी पसंद , मैं तो छोटा बच्चा हूँ।

प्रथमेश, कक्षा : चार

सेब

सभी फलों में सेब है न्यारा ,
लाल – लाल सा , प्यारा – प्यारा।
एक सेब है रोज़ जो खाता,
बीमारी को दूरभगाता।
मम्मी मुझको सेब दिला दो ,
सेब नहीं तो जूस पिला दो।

अंश शर्मा, कक्षा : तीन

पेड़ हमारे साथी हैं

पेड़ हमारे साथी हैं|
छाया हमको देते हैं,
बाढ़ से हमे बचाते हैं ,
मीठे फल भी देते हैं |
पेड़ कितने जरूरी हैं ,
फिर भी बेचारे कटते हैं |
हम भी पेड़ लगाएंगे ,
संसार को हरा भरा बनाएँगे |

सोनाक्षी शर्मा, कक्षा : 3

मैं

मैं हूँ मम्मी की दुलारी ,
लगती सबको प्यारी ,
गलती करूँ तो लगती
सबको न्यारी ,
मैं हूँ मम्मी की दुलारी |
सब मुझको लाड़ लड़ाते ,
कहते बड़ी हैं प्यारी |
पढ़ने में करती होशियारी ,
मैं हूँ मम्मी की दुलारी |

जीविका, कक्षा : चार

ध्वज

तीन रंग का नहीं वस्त्र ,
यह ध्वज देश की शान है |
हर भारतीयों के दिलों का,
स्वाभिमान है |
यही है गँगा, यही है हिमालय ,
यही हिन्द की जान है |
तीन रंगों में रंगा हुआ,
यह अपना हिन्दुस्तान है |

अर्नव कुमार, कक्षा : पाँच

जल

1. जल है तो जीवन है|
2. बिना जल के पृथ्वी पर जीवन असंभव है |
3. जल प्रकृति द्वारा मिला हुआ एक उपहार है |
4. जल पृथ्वी पर स्थित सभी जीवों एवं पेड़- पौधों के लिए आवश्यक है |
5. विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है|
6. जल का उपयोग पीने के लिए ही नहीं ,बल्कि , खाना बनाने,नहाने आदि कार्यों के लिए किया जाता है |
7. पृथ्वी का लगभग 73% हिस्सा जल से घिरा हुआ है |
8. पृथ्वी पर दो प्रकार के जल मौजूद हैं – खारा जल , मीठा जल |
9. पीने के लिए मीठे जल का उपयोग किया जाता है |
10. हमें हमेशा जल का सम्मान करना चाहिए , इसकी बर्बादी नहीं करनी चाहिए |

आराध्या भारती, कक्षा : तीन

खुश रहो

छोटी सी है ज़िन्दगी हर बात में खुश रहो...
जो चेहरा पास न हो, उसकी आवाज़ में खुश रहो...
कोई रूठा हो आपसे,
उसके अंदाज़ में खुश रहो....
जो लौट के नहीं आने वाले,
उनकी याद में खुश रहो...
कल किसने देखा है... अपने आज में खुश रहो...

हेमानी ठाकुर, कक्षा - दसवीं

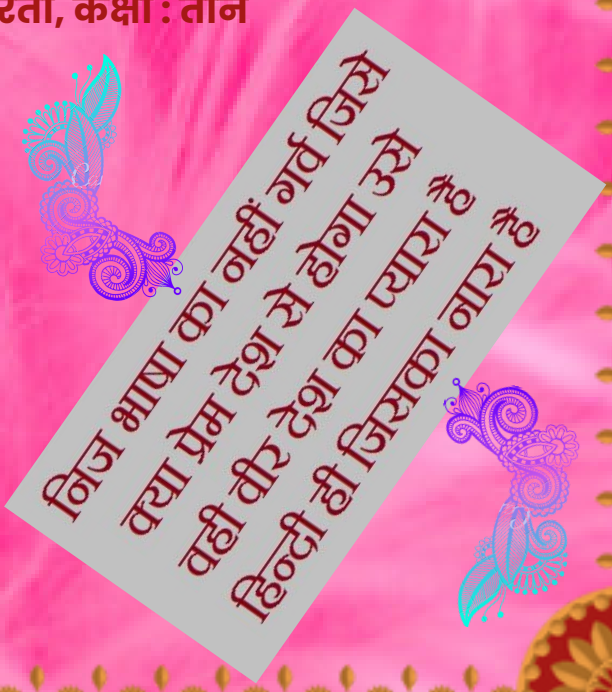

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ!

बेटी से रोशन ये आँगन
बेटी से ही अपनी पहचान,
हर लम्हे में खुशी घोलती
बेटी से ही अपनी शान।

शिक्षा -स्वास्थ्य-रोजगार
विज्ञान हो या संचार,
तेरी काबिलियत के आगे
नतमस्तक सारा संसार।

गाँव-शहर-कस्बों में
बेटी पढ़ती-बढ़ती जाए,
नई चेतना से आओ अब
अपना देश जगाएँ।

धूमधाम से जन्में बेटियाँ
पढ़कर ऊँचा कर दें नाम,
आओ बेटियों के सपनों में
भर दें मिलकर नई उड़ान।

दीक्षा, कक्षा दसवीं

ज़िन्दगी जीना सीखा रही थी

कल एक झलक ज़िंदगी को देखा,
वो राहों पे मेरी गुनगुना रही थी,
फिर ढूँढा उसे इधर उधर
वो आँख मिचौली कर मुस्कुरा रही थी,
एक अरसे के बाद आया मुझे क़रार,
वो सहला के मुझे सुला रही थी
हम दोनों क्यूँ ख़फ़ा हैं एक दूसरे से
मैं उसे और वो मुझे समझा रही थी,
मैंने पूछ लिया- क्यों इतना दर्द दिया
कमबख्त तूने,
वो हँसी और बोली- मैं जिंदगी हूँ पगले
तुझे जीना सिखा रही था।

कनिका जसवाल, कक्षा दसवीं

हिंदी

हिंदी है हम, वतन है हिन्दुस्तान हमारा,
कितना अच्छा व कितना प्यारा है ये नारा।
हिंदी में बात करें तो मूर्ख समझे जाते हैं,
अंग्रेजी में बात करें तो जैंटलमेल हो जाते।
अंग्रेजी का हम पर असर हो गया,
हिंदी का मुश्किल सफर हो गया।
देसी घी आजकल बटर हो गया,
चाकू भी आजकल कटर हो गया।
अब मैं आपसे इजाजत चाहती हूँ,
हिंदी की सबसे हिफाज़त चाहती हूँ।

नैन्सी, कक्षा दसवीं

शिक्षक

शि -शिखर तक ले जाने वाला
क्ष - क्षमा के भाव रखने वाला
क -कमजोर को तकतवर बनाने वाला

एक अच्छा शिक्षक हमें हमारे प्रश्न का उत्तर ना देकर, हमारे साथ मिलकर वो उत्तरों को खोजने की क्षमता बढ़ाता हो।

एक अच्छा शिक्षक ही असल मायने में अनुशासन का बीज विद्यार्थियों में रोपित करता है।

एक अच्छा शिक्षक स्वयं अनुशासन में रहकर अच्छे-बुरे में भेद न कर सभी को एक मचान पर लाने का प्रयास करता है। शिक्षक अच्छा होने से विद्यार्थी में पढाई के प्रति प्रेम पनपता है।

स्वाति, कक्षा दसवीं

बेटी अनमोल

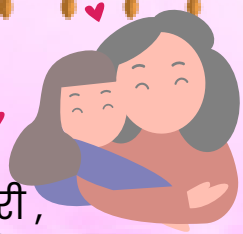

बेटी अनमोल है ,
जिसका न कोई मोल है।
बेटी होती है पापा की दुलारी ,
बेटी होती है पापा की प्यारी।
बेटी होती है लक्ष्मी का रूप ,
जिसमें होता है लक्ष्मी का रूप।
बेटी ही है जो घर को मंदिर बनाती है ,
बेटी ही है जो संसार चलाती है।
बेटी है अनमोल ,
जिसका न कोई तोल।

आराध्या कालिया, कक्षा : चार

माँ

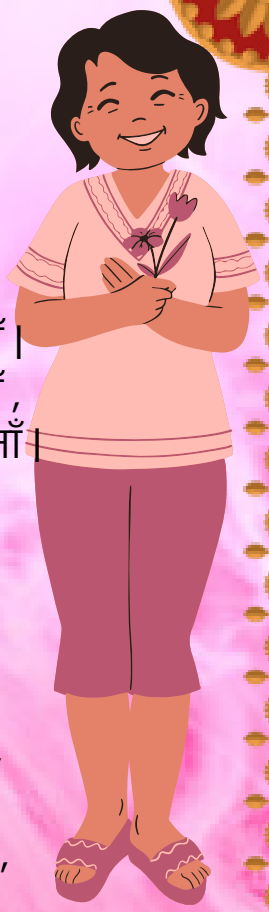

प्यारी जग से न्यारी माँ ,
खुशियाँ देती सारी माँ।
चलना हमें सिखाती माँ ,
मंजिल हमें दिखाती माँ।
सबसे मीठा बोल है माँ ,
दुनिया में अनमोल है माँ।
खाना हमें खिलाती है माँ ,
लोरी गाकर सुलाती है माँ।
प्यारी जग से न्यारी माँ ,
खुशियाँ देती सारी माँ।

मनीषा, कक्षा: पाँच

बच्चों की मुस्कान

मासुमियत-सी हँसी,
दिल को खुश कर जाती है।
उनकी खिलखिलाहट ,
हर गम को भुला जाती है।
दर्द कितना भी हो इस जहाँ में ,
बच्चों की मुस्कान ही हर ज़ख्म मिटा जाती है।

स्मृति, कक्षा : तीन

नींद

नींद चली जा अपने घर ,
मेरे पास न आओ तुम।
मुझे देनी है आज परीक्षा ,
कर दो मेरी इतनी रक्षा ,
यदि तुम मेरी आँखों में आई .
होंगे मेरे नंबर गोल।
मम्मी – पापा डांटेंगे ,
खुल जाएगी मेरी पोल।

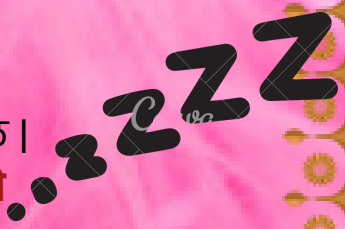

हिमाक्षी, कक्षा : दो

मैं

थोड़ी नटखट , थोड़ी नादान हूँ मैं ,
परी हूँ मैं।
गुस्सा मुझे बहुत है आता , पर थोड़ी देर में भाग जाता।
घर में सबसे छोटी हूँ मैं ,
सबको बहुत प्यारी हूँ मैं।
नाचना -गाना, बहुत हैं भाता मुझे ,
इसलिए हर समय गुनगुनाती हूँ मैं,
परी हूँ मैं।

आराध्या वालिया, कक्षा : चार

गुरु महिमा

गुरु महान है , हमें देते जो ज्ञान हैं।
गुरु का सम्मान करना , अपनी ही शान है।
मेहनत की राह पर चलना सिखाते है,
जुनून की आग में जलना सिखाते हैं।
गुरु की इज्ज़त करना , अपना गौरव है।
गुरु सत्य है , गुरु ही पहचान है।
गुरु से शिक्षा है , शिक्षा से जहान है।

विराज वैद्य, कक्षा : पाँच

बेटियाँ

कलियों को खिलने दो , मीठी ख़ुशबू फ़ैलाने दो ,
बंद करो उनकी हत्या , जीवन ज्योति जलाने दो।
कलियाँ तोड़ी तुमने, फूल कहाँ से लाओगे,
बेटी की हत्या कर तुम बहू कहाँ से पाओगे ।

अश्रिता, कक्षा : पाँच

स्पोर्ट्स एंड गेम्स

आओ, आज में तुमको एक बात बतलाऊँ ,
खेल कितने महत्वपूर्ण हैं , यह तुमको समझाऊँ।
खेलों की दुनिया का जादू , खेल हमें सिखलाते,
खेलने से ही सभी लोग सेहत खूब बनाते।
खेल – खेल में जीवन के सब बिगड़े काम बन जाते ,
हार- जीत से ऊपर उठकर ,हम आदर्श बनाते।

मनीषा, कक्षा : पाँच

परीक्षा

यह परीक्षा की घड़ी है ,
यह अपनी भावनाओं, विचारों एवं धैर्य के
इम्तिहान की घड़ी है .....!
असफलताओं की चुनौती को सफलताओं में
परिवर्तित करने की घड़ी है .....!
जिंदगी में आने वाले उतार-चढ़ाव में उतार-चढ़ाव से
इम्तिहान लेने की घड़ी है ....!
अपनी कड़ी मेहनत एवं लगन से परीक्षा जैसे जिंदगी के महत्वपूर्ण पड़ाव को
पार करने की घड़ी है .....!

विभूति, कक्षा - दसवीं

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए।
माता–पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता।
सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिस से।
कभी रहा न दूर मैं जिससे,
वह मेरा पथ दर्शक कहलाता।
मेरे मन को वह भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता।
कभी है शांत, कभी है धीर,
स्वभाव में सदा गंभीर,
मन में दबी रहे ये इच्छा,
काश मैं उन जैसा बन पाती,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।

तमन्ना ठाकुर, कक्षा दसवीं

बेटियाँ

घर की जान होती हैं बेटियाँ
पिता का गुमान होती हैं बेटियाँ
ईश्वर का आशीर्वाद होती हैं बेटियाँ
यूँ समझ लो कि बेमिसाल होती हैं बेटियाँ

बेटों से ज्यादा वफादार होती हैं बेटियाँ
माँ के कामों में मददगार होती हैं बेटियाँ
माँ-बाप के दुःख को समझे, इतनी समझदार होती हैं बेटियाँ
असीम प्यार पाने की हकदार होती हैं बेटियाँ

बेटियों की आँखे कभी नम ना होने देना
जिन्दगी में उनकी खुशियाँ कम ना होने देना
बेटियों को हमेशा हौसला देना, गम ना होने देना
बेटा-बेटी में फर्क होता हैं, ख़ुद को ये भ्रम ना होने देना

सुहानी शर्मा, कक्षा दसवीं

पढ़ाई करने के नियम:

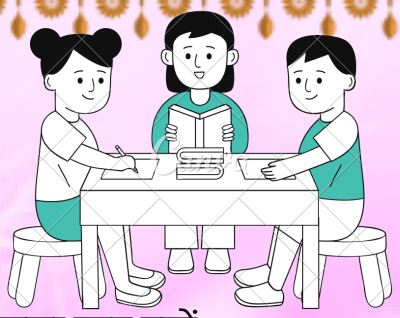

·एक लक्ष्य जरूर चुनें
·हमेशा नियमित आत्म परीक्षण दें
·परीक्षा के पहले पढ़ाई पर निर्भर ना रहें
·हमेशा मन को शांत रखें
·परीक्षा के आखिरी दिनों में दोहराई के लिए समय बचा कर रखें
·टाइम टेबल बनाएं
·क्लास डिस्कशन में भाग लें
·पढ़ाई करते समय बीच में थोड़ा सा विश्राम करें
·किसी की भी सहायता लेते समय शर्माना नहीं चाहिए
·पढ़ाई करने से पहले उसका टाइम टेबल बनाएं
·पढ़ाई को बोझ ना बनाएं
·अभ्यास समूह में करने की कोशिश करें

कृतिका शर्मा, कक्षा दसवीं

हिंदी भाषा

प्रकृति की पहली ध्वनि ओम है
मेरी हिंदी भाषा भी इसी ओम की देन है।
देवनागरी लिपि है इसकी
इसकी कलम से उपजी बंगला, गुजराती, भोजपुरी,
डोगरी, पंजाबी और हिंदी है इन सब की जननी।
प्रकृति की हर चीज अपने में संपूर्ण है
मेरी हिंदी भाषा भी अपने में संपूर्ण है
जो बोलते हैं वही लिखते हैं मन के भाग सही उभरते हैं।
हिंदी भाषा ही तुम्हें प्रकृति के समीप ले जाएगी,
मन की शुद्धि तन की शुद्धि सहायक यह बन जाएगी।
कुछ हवा चली है ऐसी यहाँ
कहते हैं इस मातृभाषा को बदल डालो।
बदल सको क्या तुम अपनी माता को?
मातृभाषा का क्यों बदलाव करो
देवों की भाषा का क्यों तुम तिरस्कार करो।
बदल सको तो तुम अपनी सोच को बदल डालो
हर एक भाषा का तुम दिल से सम्मान करो
हिंदी की जड़ों पर आओ हम गर्व करें
हिंदी भाषा पर आओ हम गर्व करें।

वंशिता, कक्षा दसवीं

के.वि.एस.

के.वि.एस. की महिमा,लगती निराली हमें, बांधती है अपने बंधन में सबको।
इसकी पढ़ाई देती, संपूर्ण ज्ञान हमें निखारती,सभी कलाएँ बच्चों में।
कभी बाल मेला, कभी हाइक पर बच्चे, कभी पोलियो कैंप , कभी स्काउट कैंप।
कभी ट्रेनिंग कैंप,कभी करियर गाइडेंस, कभी बच्चों को ये ट्रैकिंग पर ले जाते हैं।
कभी वॉटर स्पोर्ट्स, कभी ओलंपियाड, सभी खेलों की स्पोर्ट्स मीट ये कराते हैं।
शिक्षकों की योग्यता,इनकी विधा से दिखे बच्चों को यह इंजीनियर,डॉक्टर बनाते हैं।
नेता,अभिनेता,सभी प्रकार के चरित्र विद्यालय में ये,रोज ही दिखाते हैं।
कराते हैं ये पार्लियामेंट,स्कूल प्रांगण में बच्चों में ये नेतृत्व की भावना जगाते हैं।
पुस्तकालय भी होते हैं इनके नंबर वन, जहां बच्चों को,ज्ञान का भंडार मिल जाता है।
प्रोजेक्ट हो, या हो असाइनमेंट क्षण भर में,यहां पूरे हो जाते हैं।
ज्ञान का प्रसार,करते ये लाइब्रेरियन ज्ञान के मसीहा के,रूप में जाने जाते हैं।
कम फीस,अच्छी सुविधा का वादा राष्ट्रपति,स्काउट-गाइड ये बनाते हैं।
ऊंची-ऊंची बिल्डिंग,खुला मैदान देखो धरती पर स्वर्ग ,उतार ये लाए हैं।
शिक्षा पर शोध,यहां का नारा है सारा विश्वकर्मा परिवार हमारा है।
धार्मिक एकता,अखंडता, सांप्रदायिक एकता,उद्देश्य हमारा है।
बच्चे सहयोग करें,बाढ़ पीड़ितों के लिए भूकंप पीड़ितों के लिए,दंगा पीड़ितों केलिए।
समाज की सेवा करना,यहां बच्चों को सिखाते हैं राष्ट्र समर्पण की,भावना जगाते हैं।
के.वि.एस. की महिमा,लगती निराली हमें, बांधती है अपने बंधन में सबको।

इतिश्री शर्मा, कक्षा दसवीं

पर्यावरण

व्यक्ति अपने पर्यावरण में निवास करता है। वह अपने पर्यावरण का एक हिस्सा होता है। पर्यावरण में होने वाली विभिन्न प्रकार की गतिविधियों से वह बहुत प्रभावित होता है। इसलिए ज़रूरी है कि हमारा पर्यावरण साफ़-सुथरा रहे। पर्यावरण में किसी प्रकार का असंतुलन न उत्पन्न हो जाए। दुर्भाग्यवश कई कारणों से वर्तमान समय में हमारे पर्यावरण में असंतुलन आ गया है। जल, वायु, मिट्टी, वन जैसे प्राकृतिक तत्व प्रदूषित हो रहे हैं। इसका परिणाम है जलवायु में परिवर्तन, जैव विविधता के लिए संकट, बाढ़, सूखा और स्वास्थ्य संबंधी अनेकानेक समस्याएँ । अतः हमें अपनी गतिविधियों को नियंत्रित करना होगा जो पर्यावरण को तरह-तरह से बिगाड़ रहे हैं। हमें अपने चारों ओर की आबोहवा को शुद्ध रखना होगा। हमें जल और वायु की शुद्धता बनाए रखने के प्रयास करने होंगे। वनों को नष्ट होने से रोकना होगा तथा वन्य जीवन के संरक्षण के प्रयास करने होंगे। अपने पर्यावरण को सही दशा में बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का परम कर्त्तव्य है।

वंशिता, कक्षा दसवीं

विवेकानंद की परीक्षा

स्वामी विवेकानंद को पूर्व और पश्चिमी संस्कृति दोनों का व्यापक ज्ञान था। उनके पास शानदार बातचीत करने का कौशल, और गहरी आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि थी। जिसके कारण 1893 में उन्हें विश्व धर्म संसद में हिंदू धर्म को प्रस्तुत करने के लिए चुना गया था, जो शिकागो में आयोजित किया था। शिकागो जाने से एक दिन पहले उनकी मां ने उन्हें रात को खाने के लिए बुलाया। विवेकानंद ने अपनी मां के प्यार के साथ स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। रात को खाने के बाद उसकी मां ने उसे एक कटोरी फल और उसे खाने के लिए चाकू दिया। विवेकानंद ने फल खाने के बाद उसकी मां ने कहा, "बेटा, क्या तुम मुझे चाकू दे सकते हो?" विवेकानंद ने तुरंत अपनी मां को चाकू दे दिया। चाकू मिलने के बाद, उसकी माँ ने जवाब दिया, "बेटा, तुमने मेरी परीक्षा पास कर ली है। आपकी यात्रा के लिए मेरा आशीर्वाद है।" विवेकानंद मां की प्रतिक्रिया से आश्चर्यचकित थे। उन्होंने सवाल किया, "लेकिन मां आपने मेरा परीक्षा कब और कैसे ली ?" उसकी मां ने मुस्कुराते हुए कहा, "बेटा, जब मैं तुमसे चाकू देने के लिए कहा था, तो तब तुम्हारी परीक्षा थी। तुमने मुझे उसकी धार पकड़ते हुए चाकू दिया। और चाकू का कड़ा मेरी और रख दिया ताकि मुझे चोट ना लगे। इसका मतलब है, आप खुद के बजाय दूसरे के बारे में सोचते हैं और ऐसा व्यक्ति, जो दूसरे के भलाई के बारे में सोचता है, उसके पास दुनिया को प्रचार का अधिकार है।

नैतिक शिक्षा : यह प्रकृति का नियम है कि आप जितना अधिक निस्वार्थ होंगे, उतना ही अधिक प्राप्त करोगे।

रिधिमा शर्मा, कक्षा दसवीं

विज्ञान

आज का युग विज्ञान का युग है। आज हर जगह सिर्फ विज्ञान का ही बोलबाला है। कलम से लेकर लैपटॉप तक सब कुछ विज्ञान की ही देन है। आज हम सौ फीसदी विज्ञान पर ही आश्रित हैं। नित नये वैज्ञानिक अविष्कारों को देखते हुए यह अत्यंत प्रमुख एवं महत्वपूर्ण विषय बन गया है। जब हम पीछे मुड़कर देखते है तो पाते है कि विज्ञान की दुनिया ने कितनी तरक्की कर ली है। दुनिया गैजेट्स और मशीनरी से भरी पड़ी है। मशीनरी हमारे परिवेश में सब कुछ करती है। यह कैसे संभव हुआ? हम इतने आधुनिक कैसे हो गए? यह सब विज्ञान की मदद से ही संभव हुआ। विज्ञान ने हमारे समाज के विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। इसके अलावा, विज्ञान ने हमारे जीवन को आसान और आलसी बना दिया है।विज्ञान ने हमारे जीवन में कई बदलाव किए हैं। सबसे पहले, परिवहन की मदद से अब लंबी दूरी तय करना आसान हो गया है। इसके अलावा, यात्रा का समय भी कम हो जाता है। विभिन्न तीव्र-गति वाहन इन दिनों उपलब्ध हैं। ये वाहन पूरी तरह से हमारे समाज का रूप बदल रहे हैं। विज्ञान ने भाप इंजन को विद्युत इंजन में परिवर्तित किया है।पहले के समय में लोग साइकिल से यात्रा करते थे। लेकिन अब हर कोई मोटरसाइकिल और कारों पर यात्रा करता है। इससे समय और मेहनत बचती है। और यह सब विज्ञान की मदद से संभव है। विज्ञान ने हमें चाँद तक पहुँचाया। यह सिलसिला यही थमा नहीं है। इसने हमें मंगल की भी एक झलक दी। यह सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

यह केवल विज्ञान के कारण संभव हुआ। इन दिनों वैज्ञानिक कई उपग्रह बनाते हैं। जिसकी वजह से हम हाई-स्पीड इंटरनेट का इस्तेमाल कर पा रहे हैं। यहां तक कि हमें इसके बारे में जानकारी हुए बिना ही ये उपग्रह दिन-रात पृथ्वी की परिक्रमा करते रहते हैं।

अन्वी शर्मा, कक्षा आठवीं

कहानी

एक गांव में एक बुद्धिमान व्यक्ति रहता था उसके पास 19 ऊँट थे |एक दिन उसकी मृत्यु हो गई मृत्यु के पश्चात वसीयत पढ़ी गई जिसमें लिखा था कि मेरे 19 ऊंटों में से आधे मेरे बेटे को, उसका एक चौथाई मेरी बेटी को और उसका पांचवा हिस्सा मेरे नौकर को दे दिए जाएं। सब लोग चक्कर में पड़ गए कि यह बंटवारा कैसे हो 19 ऊँटों का आधा अर्थात एक ऊंट काटना पड़ेगा फिर तो ऊँट ही मर जाएगा ? चलो एक को काट दिया जाए तो बचे 18, उनका एक चौथाई साढे चार साढे चार फिर 22 होना चाहिए था | सब बड़ी उलझन में थे फिर पड़ोस के गांव में से एक बुद्धिमान व्यक्ति को बुलाया गया |वह बुद्धिमान व्यक्ति अपने ऊँट पर चढ़कर आया और समस्या सुनी |थोड़ा दिमाग लगाया, फिर बोला इन 19 ऊँटो में मेरा भी ऊँट मिलाकर बांट दो | सब ने पहले तो सोचा कि एक वह पागल था जो ऐसी वसीयत करके चला गया और एक यह पागल दूसरा आ गया, जो बोलता है कि इसमे मेरा भी ऊँट मिलाकर बांट दो |

फिर भी सबने सोचा बात मान लेने में क्या हर्ज है 19+1=20 हुए| 20 का आधा 10 बेटे को दिए गए, 20 का चौथाई 5 बेटी को दिए गए, 20 का पांचवा हिस्सा चार नौकर को दिए गए ! 10+5+4= उन्नीस हो गए, बच गया 1 ऊँट तो जो बुद्धिमान व्यक्ति का था, वह उसे लेकर अपने गांव लौट आया |

इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हम सबके जीवन में पांच ज्ञानेंद्रियां, पांच कर्मेन्द्रियां, पांच प्राण और चार अंतःकरण (चतुष्टय मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार) कुल 19 ऊँट होते हैं। सारा जीवन मनुष्य इन्हीं के बंटवारे में उलझा रहता है और जब तक उसमें आत्मा रूपी ऊँट को नहीं मिलाया जाता यानी कि आध्यात्मिक जीवन (आध्यात्मिक बुद्धिमता) नहीं मिलाया जाता, तब तक सुख, शांति, संतोष और आनंद की प्राप्ति नहीं हो सकती !

हेमानी ठाकुर, कक्षा दसवीं

बदलती तस्वीरें

हर तस्वीर" की भी, तकदीर होती है । कोई दिल में बस्ती है, कोई दीवार पर होती है ॥

पुरानी एक किताब के, पन्नों को जो टटोला । उसमें रखी तस्वीर" ने, यादों का पिटारा खोला ॥

सीने में जब-जब, सांसों को भरती हूं। तब-तब तेरी यादों की, गलियों से गुज़रती हूं ॥

जाने कब तुम चुपके से, ये तस्वीर" यूं रख दिये । मीठी–मीठी यादों को, किताबी पन्नों से ढक लिये ॥

समय की धूल जैसे–जैसे, गुजरे वक्त के पन्नो पे जमी । कम होने लगी धीरे–धीरे, यादों से आँखों की नमी ॥

सिर्फ मैं ही नहीं, देखती है मुझे ये तस्वीर" भी । यादों के झरोखों से देख, बदल रही है मेरी तकदीर भी॥

तू क्या जाने तेरी यादें, कितना मुझे रुलाई हैं । तस्वीर" तेरी मेरे दिल में समाई, किताब में सिर्फ आज नज़र आई है

विशाल राणा, कक्षा दसवीं

उमड़ती लड़कियां

हवाओं-सी बन रही हैं लड़कियां
उन्हें बेहिचक चलने में मज़ा आता है
उन्हें मंजूर नहीं बेवजह रोका जाना।
फूलों-सी बन रही हैं लड़कियां
उन्हें महकने में मज़ा आता है
उन्हें मंजूर नहीं बेदर्दी से कुचला जाना।
परिंदो-सी बन रही हैं लड़कियां
उन्हें बेखौफ उड़ने में मज़ा आता है
उन्हें मंजूर नहीं उनके परों का काटा जाना।
पहाड़ों-सी बन रही हैं लड़कियां
उन्हें सर उठा जीने में मज़ा आता है
उन्हें मंजूर नहीं सर को झुका कर जीना।
सूरज-सी बन रही हैं लड़कियां
उन्हें चमकने में मज़ा आता है
उन्हें मंजूर नहीं पर्दो में ढका जाना।

कृतिका शर्मा, कक्षा दसवीं

प्रकृति

हरे-हरे खेतों में
बरस रही हैं बूंदे
खुशी- खुशी से आया सावन
भर गया मेरा आंगन।
ऐसा लग रहा है जैसे
मन की कलियां खिल गई वैसे
ऐसा कि आया बसंत
लेकर फूलों का जश्न।
धूप से प्यासी मेरे तन को
बूंदों ने दी ऐसी अंगड़ाई
कूद पड़ा मेरा तन-मन
लगता है मैं हूं एक दामन
यह संसार है कितना सुंदर
लेकिन लोग नहीं उतने अक्लमंद
यही है एक निवेदन
ना करो प्रकृति का शोषण।

राहुल कुमार, कक्षा दसवीं

संभल जाओ ऐ दुनिया वालो

संभल जाओ ऐ दुनिया वालो
वसुंधरा पे करो घातक प्रहार नहीं।
रब करता आगाह हर पल
प्रकृति पर करो घोर अत्याचार नहीं।।
लगा बारूद पहाड़, पर्वत उड़ाए
स्थल रमणीय सघन रहा नहीं।
खोद रहा खुद इंसान कब्र अपनी
जैसे जीवन की अब परवाह नहीं।।
लुप्त हुए अब झील और झरने
वन्य जीवों को मिला मुकाम नहीं।
मिटा रहा खुद जीवन के अवयव
धरा पर बचा जीव का आधार नहीं।।
नष्ट किये हमने हरे भरे वृक्ष,लताएं
दिखे कही हरयाली का अब नाम नहीं।
लहलहाते थे कभी वृक्ष हर आँगन में
बचा शेष उन गलियारों का श्रृंगार नहीं।
कहा गए हंस,कोयल और गोरैया
गौ माता का घरो में स्थान रहा नहीं।
जहाँ बहती थी कभी दूध की नदियां
कुएं,नलकूपों में जल का नाम नहीं।।
तबाह हो रहा सब कुछ निश् दिन
आनंद के अलावा कुछ याद नहीं
नित नए साधन की खोज में
पर्यावरण का किसी को रहा ध्यान नहीं।।
विलासिता से शिथिलता खरीदी
करता ईश पर कोई विश्वास नहीं ।।
भूल गए पाठ सब रामायण गीता के,
कुरान,बाइबिल किसी को याद नहीं ।।
त्याग रहे नित संस्कार अपने
बुजुर्गों को मिलता सम्मान नहीं ।।
देवी की इस पवन धरती पर
बचा धर्म-कर्म का नाम नहीं ।।
संभल जाओ ऐ दुनिया वालो
वसुंधरा पे करो घातक प्रहार नहीं।
रब करता आगाह हर पल
प्रकृति पर करो घोर अत्याचार नहीं।।

विशाल राणा, कक्षा दसवीं

आज़ादी का अमृत महोत्सव

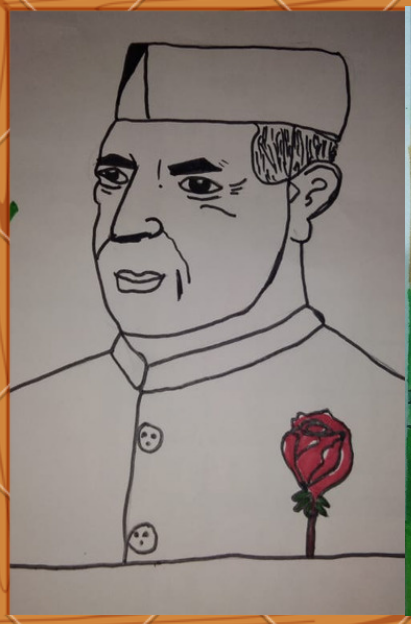

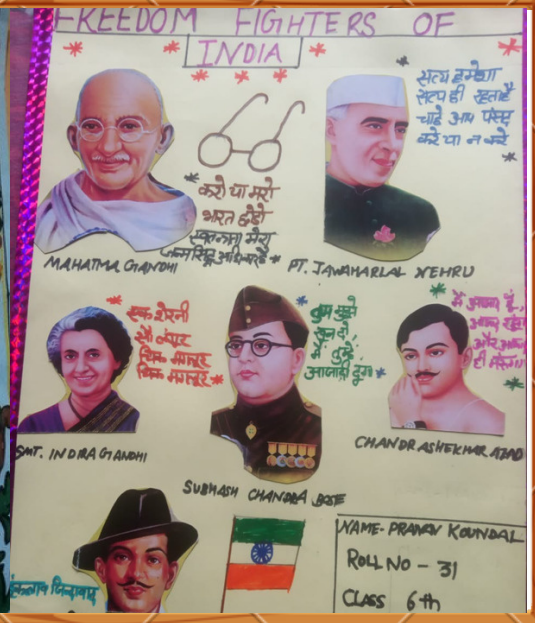

75 लाख पोस्ट कार्ड लेखन अभियान

के. वि. स. स्थापना दिवस 2021

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय अपपठन जागरूकता माह

CORONA VACCINATION CAMPS FOR STUDENTS

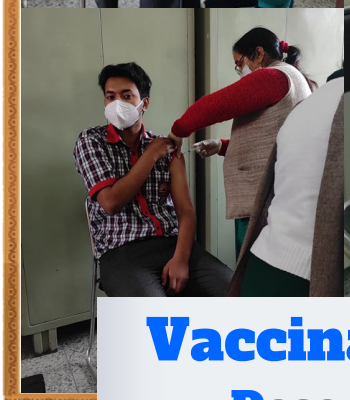

Vaccination Camps for students

Dose 1: Jan. 03, 2022 (15-18 Years)

Dose 2: Feb. 03, 2022 (15-18 Years)

Dose 1: March 26, 2022 (12-14 Years)

All Remaining Age Groups:April 02, 2022

शिक्षक की कलम से

"बेटी"

तुम नटखट , नादान हो,
प्यारी , मेरी मुस्कान हो।
तुम जो प्यारी- प्यारी बातें करती हो ,
ढेर सारी बातें करती हो ,
कहाँ से लाती हो इतनी बातें!
तुम धूप में छाँव हो ,
मेरी दादी माँ हो।
तुम नटखट , नादान हो,
प्यारी , मेरी मुस्कान हो।

अंकुश कुमार , प्राथमिक अध्यापक

An Ode to the Dear Departed Soul

Oh! Dear departed soul
You left behind them,
You never recall them,
Look down once, only for them.

Oh! Dear departed soul
See! Their eyes are full of tears,
Do produce a pleasant voice for their ears,
Let them see your face, they are your dears.

Oh! Dear departed soul
Look at them, how they are living without you,
Look at them, how they are waiting for you,
Look at them, how they are missing to you.

Oh! Dear departed soul
You never know their anguish and pain,
You never know their grief and strain,
You never know their affliction and mourning brain.

Ashok Kumar TGT English

मशीनी मानव

21 वीं सदी अनोखी है दोस्त,
इसमें मानव मानव का न होगा दोस्त
इसमें मशीने होगी मानव की दोस्त
इसमें मानव मानव का न होगा दोस्त

जिसमें एक अनोखा संसार बनेगा दोस्त
जिसमें सिमट जाएगा संसार सारा
इसमें मानव मानव का न होगा सहारा
यह अकेला रहेगा बेचारा
करेगा मशीनों की गुलामी बेसहारा

मानव मानव को देखकर बनेगा अँधा
मानव मानव का होगा हत्यारा
जिसमें होगा मशीनों का हाथ सारा

21 वीं सदी होगी चकाचौंध से भरी
जिसमें होगी रूपहली संस्कृति सारी
इसमें होगा नवनिर्माण सारा
मानव बनेगा मशीनों जैसा
मशीने बनेगीं मानव जैसी
जिससे बनेगा नव संसार सारा
यह होगा संसार अनोखा सारा
इसमें मानव को मानव न होगा सहारा
जिसमें भूलेगा रिश्ते- नातों का बंधन प्यारा
इसमें मानव मानव का न होगा सहारा

मनीष कुमार, प्राथमिक अध्यापक

आधुनिक युग और पुस्तकालय

पुस्तकालय किसी भी मनुष्य की जिंदगी में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता हैं। पुस्तकालय में रखी किताबें ही मानव की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। बोली गयी बात तो कुछ ही पल तक अपना अस्तित्व रख पाती है लेकिन लिखी गयी बात तो सदा के लिए हमारे मध्य विद्यमान रहती हैं । जो ज्ञान हमें अलग-अलग जगह जाकर मिलता है। वो ज्ञान हम किसी ओर के अनुभवों से उसकी लिखी किताब से पा सकते हैं। जैसे दूसरों की गलतियों से सीखना चाहिए वैसे ही हमे सफलता पाने के लिए दूसरों के तरीकों को भी अपनाना चाहिए।

आधुनिक इन्टरनेट के युग में भी पुस्तकों का अपना महत्व है। पुस्तकें ज्ञान की भंडार है। वे हमारी सबसे अच्छी मित्र है। पुस्तकों का महत्व कभी कम नहीं हुआ है। पुस्तकें मनुष्य की सर्वश्रेष्ठ व सर्वाधिक विश्वसनीय मित्र है। इनमें वह शक्ति हैं जो मनुष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाती है तथा कठिन से कठिन समस्याओं के हल के लिए बल प्रदान करती है। जिस व्यक्ति को पुस्तकों से लगाव है वह स्वयं को कभी कमजोर अनुभव नहीं कर सकता है। पुस्तकें मनुष्य के आत्मबल का सर्वश्रेष्ठ साधन है। मनुष्य के ज्ञानार्जन एवं बुद्धि के विकास के लिए पुस्तकों का अध्ययन अत्यंत आवश्यक हैं।

किसी भी राष्ट्र या समाज के उत्थान एवं विकास में पुस्तकालयों का अपना महत्व है। पुस्तकालयों में एक ही विषय पर अनेक लेखकों एवं प्रकाशकों की पुस्तकें उपलब्ध होती है। पुस्तकालय ज्ञानार्जन का एक प्रमुख स्त्रोत है। पुस्तकालय हमारे राष्ट्र की अनुपम धरोहर है। सृष्टि की उत्पत्ति का आधार ग्रंथ हैं । शब्द हमारे गुरू हैं । यह हमारे भारत की परंपरा हैं । यह हमारी संस्कृति हैं । नई तकनीक ने रीडिंग हैबिट की कमी विकसित की है ।आजकल पाठकों की संख्या में कमी हो रही है,उन्होंने कुछ और तरीके मनोरंजन के निकाल लिए हैं । इंटरनेट पुस्तक का विकल्प नहीं हो सकता । इसके माध्यम से कुछ और जानकारियों की बढोतरी हुई है । जरूरी साधन आ गए, जिसके माध्यम से हमारी जरूरतें सुविधाजनक हो गई । इसका श्रेय तकनीक को जाता है, लेकिन बच्चों की कल्पनाशक्ति को विस्तार आज भी पुस्तकें ही देती हैं । यह सुविधा और विकल्प इंटरनेट नहीं दे सकता, तभी तो कहा गया है कि पुस्तकों का महत्त्व सदा से रहा है।

पुस्तकें हमारे जीवन में श्रेष्ठ समय का निर्माण करती हैं । हम यह भी जानते हैं कि इंटरनेट के युग में ऐसी सूचनाएं भी मिल रही हैं, जिसकी कोई आवश्यकता नहीं । विज्ञापन और अश्लील सामग्री ध्यान भटकाने का काम करते हैं जिससे पथभ्रष्ट होने का खतरा बना रहता है । इंटरनेट में एक ऐसा आकर्षण है जिसके पीछे नई पीढ़ी ने अपना समय लगा दिया, वह उसके नशे से उभरना नहीं चाहती । आज नई पीढ़ी को घबराने की आवश्यकता नहीं है, संभल कर चलने की आवश्यकता है । इसके प्रति हमें यह देखना होगा कि हमारा लक्ष्य कितना समर्पित भाव लिए हुए है. ऐसा भी नहीं है कि इस तंत्र से छापेखाने को कोई खतरा नहीं है । यदि आपकी मित्र पुस्तक हैं तो आपको किसी और की आवश्यकता नहीं पड़ेगी । पुस्तकों को अपने जीवन में जितने भी महापुरुष मिले हैं, उनकी जीवनियां पढ़कर मनुष्य अपना विकास कर सकता है । लेकिन यह भी सत्य है कि आज इंटरनेट हमारे जीवन का महत्वपूर्ण भाग बन चुका है। आज यदि इस तकनीक का हम ज्यादा उपयोग करेंगे तो हमें इसकी आदत लगने की संभावना है। इस आदत से हमें बचने की आवश्यकता है।

भाषा का विकास देखें तो उसके पीछे पत्थर, तांबे के पत्र उदाहरण हैं। आज ई-पुस्तक हमारे सामने है । आज इंटरनेट के युग में धीरे-धीरे पुस्तक खत्म हो जाएंगी, यह डर लोगों को सता रहा था, लेकिन यह बात मिथ्या ही साबित हुई है । ई-पुस्तक की खासियत है कि आज सैंकड़ों

किताबें ई-पुस्तक में समा गई हैं। यह परंपरागत पुस्तकों से सस्ती भी है। इसका फैलाव ज्यादा किया जाना उचित है ।आज देखना यह है कि आज तीस प्रतिशत लोग नेट के माध्यम से इस तकनीक का लाभ उठा रहे हैं । शिकागो में एक रिसर्च हुई कि पुस्तकों की तुलना में ई-बुक्स पढ़ना ज्यादा तर्कसंगत है । यह माध्यम ज्यादा सुविधाजनक भी है, यह आसानी से कैरी किया जा सकता है और स्थान भी कम घेरती है । दूसरी बात यह देखिए किताबों को तैयार करने के लिए कितने पेड़ों को काटना पड़ेगा, लेकिन नई तकनीक सेफ है । ई-बुक्स की एक कमी है इसका उपयोग करने से एकाग्रता में कमी आती है । आज भी पुस्तकों का अपना महत्व है, जिसकी खुशबू आज भी आनंदित करती है, यह महक ई-बुक्स में कहां सम्भव! आज भी अगर बिजली और इन्टरनेट नेटवर्क में बाधा पड़ जाये तो भौतिक रूप में पुस्तकें आज भी प्रासंगिक हैं । ज्ञान को आत्मसात करने के लिए कोई भी माध्यम आज पुस्तक के समान नहीं है । पुस्तक को अपनी सुविधानुसार कहीं भी पढ़ सकते हैं , यह माध्यम नई तकनीक में सम्भव नहीं । पुस्तक अपने आप में महत्वपूर्ण है।

लेकिन हमें यह वास्तविकता समझ लेनी चाहिए कि आज जो भी संसाधन हमें इन्टरनेट के माध्यम से उपलब्ध हो रहे हैं वो विश्व के कोने-कोने से बड़े -बड़े डिजिटल पुस्तकालय और डेटाबेस केंद्रों से नेटवर्क के माध्यम से एक क्लिक में हम तक पहुँच रहे हैं । जो सेवायें पुस्तकालय एक क्षेत्र बिशेष तक पहुंचा रहे थे । वो आज इन्टरनेट रूपी तकनीक से विश्व के हर कोने में बड़ी सुगमता से मिल रही हैं । अंत में हम कह सकते हैं की इन्टरनेट का आविष्कार पुस्तकालयों का पर्याय नहीं बल्कि पुस्तकों को हर मनुष्य तक पहुँचानें में एक महत्वपूर्ण साधन है ।

अनूप सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष

Mount Kailash – The Pillar of the World

Mount Kailash is standing at a height of 21,000 ft. above sea level, Mount Kailash is a home to several mysteries. From the question if it is Shiva's abode to housing magical lakes this place has kept us wondering since forever. The Tibetans believe it to be the abode of their meditational deity Demchog while the Jains believe that it was the place where their first Tirtankar attained Nirvana. These different beliefs and perspectives makes it more mysterious.

The mountain keeps changing its location is what the people who have tried climbing it have stated. Every expedition to reach the peak have reported that it continuously changes positions. The peak was never found. The mystery does not end here. Manasarovar Lake shaped like the sun changes color from blue in the shores to emerald green in the center. The lower lake called Rakshas Tal is in the shape of a crescent moon. Both these lakes represent positive and negative energies respectively.

Mount Kailash is called Axis Mundi. The axis of the world providing connection between physical and spiritual worlds. Scientifically, it is on the axis of the Earth. People believe this is keeping all life alive and maintaining the atmosphere. It is in synchronization with the Earth poles and located exactly 6666 km from the ancient monument of Stonehenge, United Kingdom.

According to some ancient text, no one allowed to climb at the top of Mount Kailash. And who dare to climb to see the face of God will be put to death. And due to its religious significance, government don't allow anyone to climb it.

VIJAY KUMAR, TGT SOST

FUN WITH MATHEMATICS

(Find the error)

Prove that 2=1

Let $x = y$

Multiply both side by x

$x2 = xy$

Subtract y2 both side

$x2 - y2 = xy - y2$

using $a2-b2= (a+b)(a-b)$ in LHS and take y common from RHS

$(x+y)(x-y) = y (x -y)$

Divide both side by (x-y)

$x+y = y$

As $x=y$ (initially we have taken)

$2x = x$

Divide both side by x

$$\frac{2x}{x} = \frac{x}{x}$$

Therefore 2 = 1

Hence Proved.

Rajeev Kumar Vaidya, PGT Maths

संस्कृत भाषाया: महत्वम्

सम्यक् परिष्कृतं शुद्धमर्थाद् दोषरहितं व्याकरणेन संस्कारितं वा यत्तदेव संस्कृतम्। एवञ्च सम्-उपसर्गपूर्वकात् कृधातोर्निष्पन्नोऽयं शब्द संस्कृतभाषेति नाम्ना सम्बोध्यते। सैव देवभाषा गीर्वाणवाणी, देववाणी, अमरवाणी, गीर्वागित्यादिभिर्नामभिः कथ्यते। इयमेव भाषा सर्वासां भारतीयभाषाणां जननी, भारतीयसंस्कृतेः प्राणस्वरूपा, भारतीयधर्मदर्शनादिकानां प्रसारिका, सर्वस्विपि विश्वभाषासु प्राचीनतमा सर्वमान्या च मन्यते। अस्माकं समस्तमपि प्राचीनं साहित्यं संस्कृतभाषायामेव रचितमस्ति, समस्तमपि वैदिक साहित्यं रामायणं महाभारतं पुराणानि दर्शनग्रन्थाः स्मृतिग्रन्थाः काव्यानि नाटकानि गद्य-नीति-आख्यानग्रन्थाश्च अस्यामेव भाषायां लिखिताः प्राप्यन्ते। गणितं, ज्योतिषं, काव्यशास्त्रमायुर्वेदः, अर्थशास्त्रं राजनीतिशास्त्रं छन्दःशास्त्रं ज्ञान-विज्ञानं तत्वजातमस्यामेव संस्कृतभाषायां समुपलभ्यते। अनेन संस्कृतभाषायाः विपुलं गौरवं स्वमेव सिध्यति।

विपन कुमार, प्र.स्ना.शिक्षक संस्कृत

Sports is the Preserver of Health

Sports is an integral part of education. Education without sports is incomplete. Games and sports gives us opportunity to grow in life. Games and sports are the means of mental and physical growth. During games and sports we learn how to maintain mental balance in the midst of hopes and despair. We learn how to tackle difficult situations. Sports develop sense of discipline, friendliness, team spirit, cooperation, desired to help others, public relations, loyalty, honesty, patients etc.

Sports helps in developing mental and physical toughness.

Our vidyalaya under the leadership of worthy principal Mrs Swati Agarwal is also focusing on the health and wellbeing of students through participation in games,sports and yoga. Here is a look of different activities that we had conducted/ conducting for the students and teachers time to time.

* Indian dances celebrating AKAM with integrated fitness
*Free hand exercises and mass PT.
*Debates symposium lectures related to fitness.
*Quiz on fitness.
*Essay on poem writing on fitness.
*Indigenous games of India
*Session on the importance of eat right
*Yoga and meditation.
*Brain games or mental health awareness.
*Celebration of annual sports day.
*Tag of war.
*Selecting fit boy, fit girl, fit teacher, male and fit teacher, female of the school through physical activities.
*Participation of all students in 750 crore Surya namaskar drive.
*Shramdan by the students.

"A FIT, HEALTHY BODY --- THAT IS THE BEST FASHION STATEMENT"

Sandeep Katoch
TGT,PHE

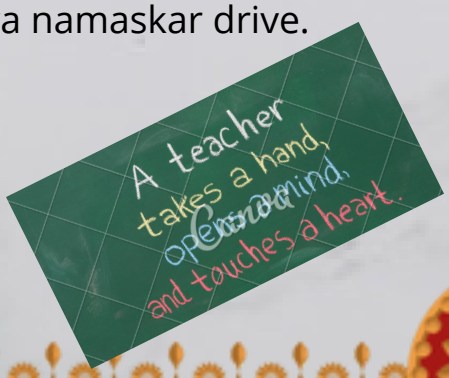

शिक्षा और शिक्षक

एपीजे अब्दुल कलाम साहब का नाम जब भारत के राष्ट्रपति पद के लिए चुना गया और उनके शपथ ग्रहण की तिथि तय हो गई तो प्रोटोकॉल व व्यवस्था में लगे एक अधिकारी ने उनसे पूछा–सर, आपके शपथ ग्रहण समारोह में आपके परिवार और मित्रों में से किन - किन को बुलाना है, लिखवाइए।

कलाम साहब बोले– नाम तो याद नहीं हैं पर जिन- जिन शिक्षकों ने मुझे प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ाया है उन सभी को ससम्मान समारोह में बुलाया जाए। फिर क्या था कलाम साहब जिस स्कूल में पढ़े वहां का रिकॉर्ड ढूंढा गया। शिक्षकों की खोज की गई और जो जीवित थे उन्हें सम्बंधित जिला कलेक्टर ने विशेष हेलीकॉप्टर अथवा वायुयान से उन्हें दिल्ली पहुँचाया और उन शिक्षकों के निजी सहायक के रूप में सम्बंधित जिला कलेक्टर स्वयं साथ रहे। किसी देश का बौद्धिक विकास उस देश के योग्य शिक्षकों पर निर्भर करता है। वह शिक्षक वर्ग ही है जो समाज को परिवर्तित करने का हुनर रखता है।

रेखा, प्राथमिक शिक्षिका

संगीत एवं संस्कृति – Music and Culture

संगीत का संस्कृति सम्बन्ध विषयों से अनादि काल से ही घनिष्ठ सम्बन्ध रहा है । संगीत का उद्गम एवं विकास क्रम में देखा गया है । संगीत अपने विकास के लिए साधन या सामग्री जनजीवन से प्राप्त करता है । अतः संगीत उतना ही प्राचीन है जितनी मानव जाति । संगीत के सभी रूप शास्त्रीय हों या सुगम व लोक सभी सभ्यता व संस्कृति के साथ विकसित होते रहे हैं । इसलिए संगीत के इतिहास को संस्कृति के विकास से अलग – अलग नहीं कर सकते हैं ।

वैदिक युग भारतीय सांस्कृतिक इतिहास का प्राचीनतम युग है , जहाँ सांस्कृतिक उपलब्धि भारत को मिली । वैदिक संस्कृति में आर्यों के समय यज्ञों में , ऋचाओं में , मन्त्रों के उच्चारणों , गाना सभी संगीत के माध्यम से किया जाता था ।

मुस्लिम संस्कृति के समय भी राजाओं द्वारा कला व कलाकार को संरक्षण दिया गया । नई – नई गायन शैलियों का जन्म व विकास हुआ , वाद्यों की रचना हुई आदि ।

आधुनिक काल में , 19 वीं व 20 वीं शताब्दी में राष्ट्रीय सरकार ने संगीत का चहुँमुखी विकास किया । अतः संगीत को संस्कृति से पृथक् करना या समझना एक भ्रान्ति है ।

संगीत एवं साहित्य – Music and Literature

साहित्य के माध्यम से हम किसी भी समय की सभ्यता , संस्कृति , आर्थिक स्थिति , धर्म , लोकरुचि एवं भाषा को जान सकते हैं । साहित्य के माध्यम से काव्य , नाटक , कहानी , गद्य , पद्य रचना , निबन्ध आदि का रसास्वादन किया जा सकता है ।

संगीत एवं साहित्य भी एक – दूसरे के पूरक हैं । संगीत के विविध रूप साहित्य पर निर्भर हैं , जैसे शास्त्रीय संगीत की विभिन्न शैलियों की गीत रचना , जो अलग – अलग भाषाओं में लिखी होती है , जो हमारे साहित्य पर आधारित होती है । इसी प्रकार नाटक – नृत्य नाटिका की विषय – वस्तु , लोकगीत , फिल्मी गीत , सुगम संगीत की रचनाएँ आदि भी साहित्य अर्थात् किसी – न – किसी भाषा मे लिखी जाती है ।अतः हम कह सकते हैं कि संगीत की भाषा रूप में अभिव्यक्ति ही साहित्य है, तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

रीना कुमारी,प्राथमिक शिक्षिका (संगीत)

गणतन्त्र दिवस समारोह 2022

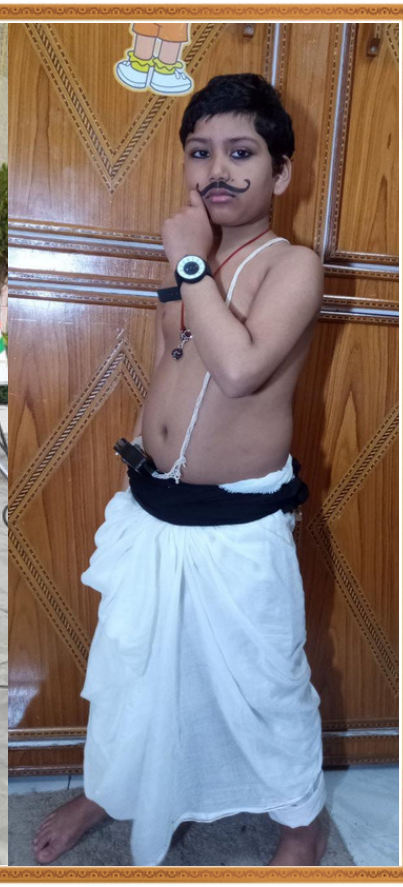

100 दिवसीय पठन अभियान

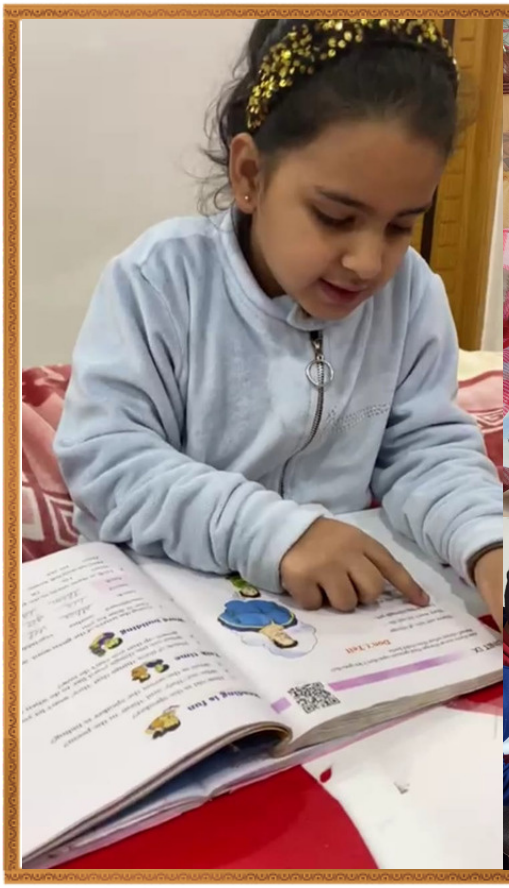
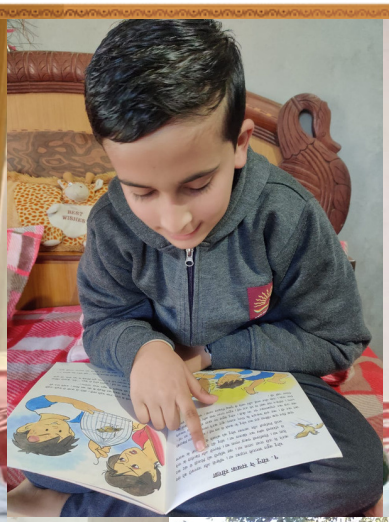

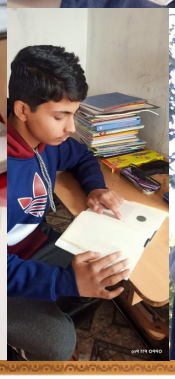
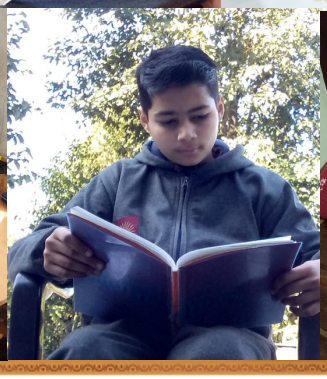
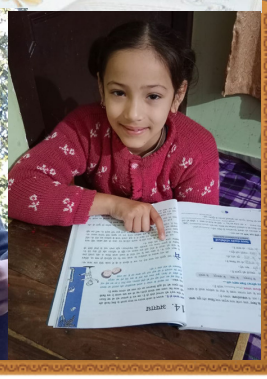

बसंत पंचमी समारोह

एक भारत श्रेष्ठ भारत (EBSB)

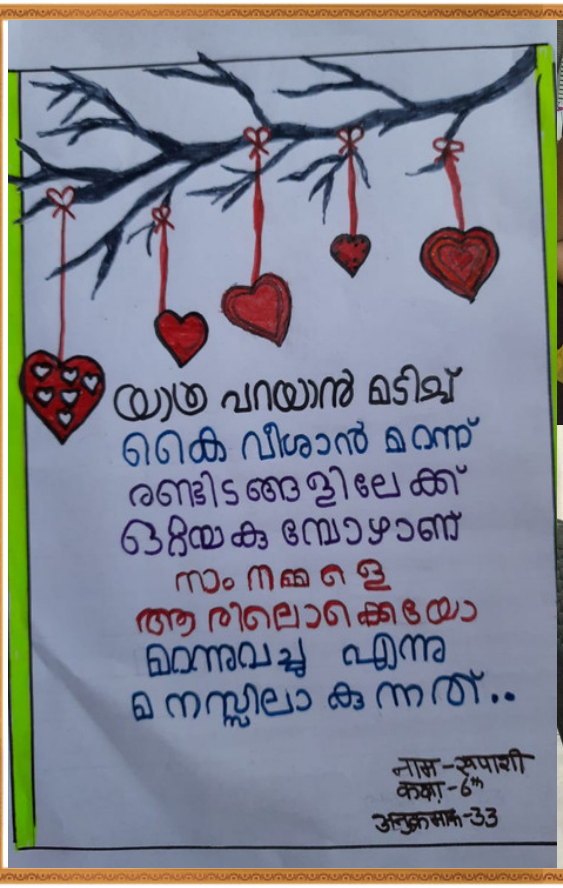

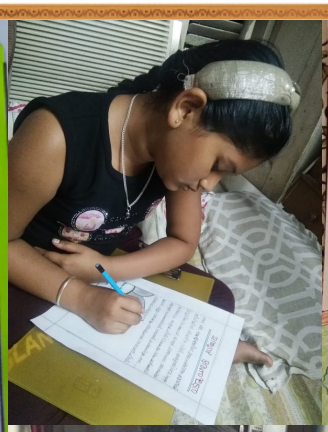

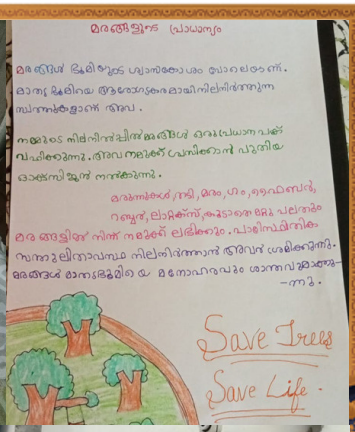

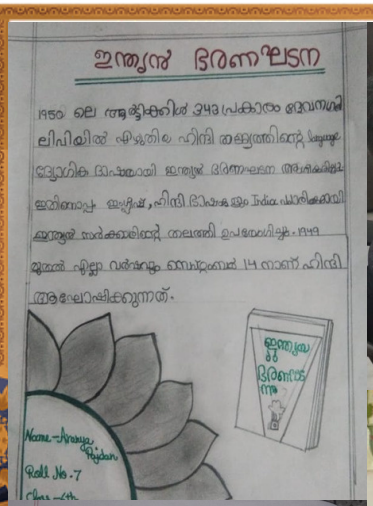

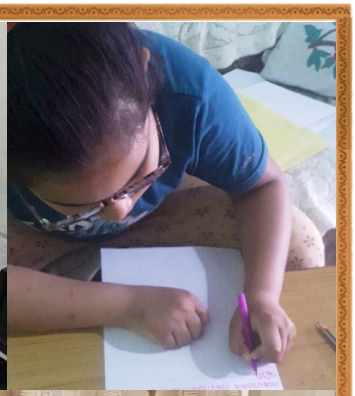

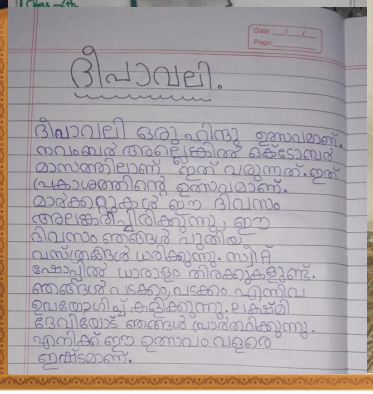

ANNUAL SPORTS DAY CELEBRATION

ANNUAL SPORTS DAY CELEBRATION

ANNUAL SPORTS DAY CELEBRATION

ANNUAL SPORTS DAY CELEBRATION

ANNUAL SPORTS DAY CELEBRATION

WELCOME

When You
Enter this Room
Learning is Fun and
Cooperation is Expected
Our positive Attitude and
Mutual Respect are part of
Everything we do and say

SECTION

Success Story of Amul

AMUL stands for Anand Milk Union Limited. It is a milk product cooperative dairy company based at the small town of Anand in Gujarat state of India. Amul is the largest producer of milk product and milk in India. The organization is credited with bringing the white revolution in India and is hailed as a successful co-operative business model that has really empowered the village men and women. It has created mini-entrepreneurs out of ordinary village women.

Amul was established in 1946 as a cooperative dairy in a small town of Anand in Khaira district in the state of Gujarat. This company was founded by Dr. VergheseKurien and it is a start of white revolution. At present time, R.S. Sodhi is the CEO of this company.

Today, AMUL is a renowned brand which is managed by the Gujarat Co-operative Milk Marketing Federation Ltd. (GCMMF). This cooperative body is owned by more than three million milk producers and its products are available in more than forty countries. During the years 2014 and 2015, its revenue was more than three billion dollar.

Amul produces a wide range of milk products like flavored milk, cheese, Butter, Ghee, Dahi, Milk powder, Chocolate, Shrikhand, Ice cream and many other types of dairy products. It has also launched a brown beverage; Amul Pro similar to Horlicks and Bournvita. In 2006, it has launched its first sports drink by the name of Stamina. The most famous product of Amul is Amul butter. Amul gains much popularity with a new poster/ billboard every month for the last 50 years. The inspiration behind the poster is a current event, idea or happening.

Aastha Walia, Class VII

Why Whales are so Big?

If you've ever visited a large aquarium or even seen the skeleton of a whale in a museum of natural history, you come to know the majestic massiveness of these aquatic mammals. The largest mammal to ever have lived on Earth in the history of the planet is not a dinosaur or some prehistoric monster. It's actually the blue whale, and it is alive right now, swimming around in the oceans.Whales range in size from the massive blue whales, which can grow to more than 90 feet (27 meters) in length, to the relatively tiny pygmy sperm whales, which measure a measly 10 feet (3 meters) in length. But with all that ocean to swim around in, why aren't whales even bigger? It's not like they have to support their big bodies on legs and walk around. For that matter, though, why aren't they smaller?

Both answers have to do with food and heat.

At least that what researchers at Stanford University found when they compiled the body mass data for nearly 4,000 living whales and 3,000 fossilized species. Their analysis determined that aquatic mammals face more size constraints than their counterparts on land. The results of the study were published in the March 26, 2018 issue of the journal Proceedings of the National Academy of Sciences.

Harshita Koundal, Class VII

Goosey Goosey Gander

Goosey goosey gander,
Where shall I wander?
Upstairs and downstairs
And in my lady's chamber.
There I met an old man
Who wouldn't say his prayers,
So I took him by his left leg
And threw him down the stairs.

Kanushree, Class II

Butterfly ,O' Butterfly

Butterfly, O' Butterfly,
Butterfly, O' Butterfly,
Won't you teach me how to fly ?
With the birds, with the breeze,
Over flower , overtrees .
Butterfly, Butterfly,
touch the ground
Butterfly, O' Butterfly,
Let me have one little try.

Anvi Sharma , Class II

Number One Teacher

I'm happy that you're my teacher;
I enjoy each lesson you teach.
As my role model you inspire me
To dream and to work and to reach.

With your kindness you get my attention;
Every day you are planting a seed
Of curiosity and motivation
To know and to grow and succeed.

You help me fulfill my potential;
I'm thankful for all that you've done.
I admire you each day, and I just want to say,
As a teacher, you're number one!

Inaya, Class II

Mask Up !

COVID-19 can spread when people breathe, talk, cough, or sneeze. A well-fitting mask keeps the virus from reaching others. It can also protect the wearer from becoming infected. Also, masks stop people from touching their mouths and faces — contaminated hands are another way for the virus to spread.

Vrisha, Class III

Riddles !

1. What has to be broken before you can use it?
2. What is always in front of you but can't be seen?
3. What gets wet while drying?
4. I have branches, but no fruit, trunk or leaves. What am I?
5. If you've got me, you want to share me; if you share me, you haven't kept me. What am I?

Answers: 1. An egg. 2. The future 3.A towel 4. A bank 5. A secret

Vaanika, Class V

A Sailor Went To Sea

A sailor went to sea, sea, sea
To see what he could see, see, see
But all that he could see, see, see
Was the bottom of the deep blue sea, sea, sea!

A sailor went to knee, knee, knee
To see what he could knee, knee, knee
But all that he could knee, knee, knee
Was the bottom of the deep blue knee, knee, knee!
Sea, sea, sea

A sailor went to chop, chop, chop
To see what he could chop, chop, chop
But all that he could chop, chop, chop
Was the bottom of the deep blue chop, chop, chop!
Knee, knee, knee
Sea, sea, sea

Aaradhya Walia, Class IV

MY Dream School

My dream school is one which strives to develop literate and numerate students who harness the power of digital technology to become 'self – regulated learners.' Student would do this through learning opportunities which provide them with greater choice of subject matter, learning methods and pace of studies. Furthermore,I dream of a school where students are granted the autonomy to challenge themselves and take risks to collaborate, co – create and think critically through learning experiences which are relevant to the real world.

Mrityunjay Singh

Nanoparticles

A nanoparticle or ultrafine particle is usually defined as a particle of matter that is between 1 and 100 nanometres (nm) in diameter. The term is sometimes used for larger particles, up to 500 nm or fibers and tubes that are less than 100 nm in only two directions. At the lowest range, metal particles smaller than 1 nm are usually called atom clusters instead.

Being much smaller than the wavelengths of visible light (400-700 nm), nanoparticles cannot be seen with ordinary optical microscopes, requiring the use of electron microscopes or microscopes with laser. For the same reason, dispersions of nanoparticles in transparent media can be transparent whereas suspensions of larger particles usually scatter some or all visible light incident on them. Nanoparticles also easily pass through common filters, such as common ceramic candles so that separation from liquids requires special nanofiltration techniques

Nanoparticles occur widely in nature and are objects of study in many sciences such as chemistry, physics, geology and biology. Being at the transition between bulk materials and atomic or molecular structures, they often exhibit phenomena that are not observed at either scale. They are an important component of atmospheric pollution, and key ingredients in many industrialized products such as paints, plastics, metals, ceramics, and magnetic products. The production of nanoparticles with specific properties is a branch of nanotechnology.

Aikagra Gupta, Class XII Sci.

Hop A Little, Jump A Little

Hop a little, jump a little,
One two, three;
Run a little, skip a little,
Tap one knee;
Bend a little, stretch a little,
Nod your head;
Yawn a little, sleep a little,
In your bed.

Vasutrayee, Class II

My Teacher

I look forward to your class
When I come to school.
You're an awesome teacher;
I think you're very cool.
You're smart and fair and friendly;
You're helping all of us.
And if I got to grade you,
From me you'd get A+!

Aarav Thakur,Class V

I Have a Little Frog

I have a little frog
His name is Tiny Tim,
I put him in the bathtub,
To see if he could swim,
He drank up all the water,
And gobbled up the soap!
And when he tried to talk
He had a BUBBLE in his throat !

Jenika, Class III

Importance of Birds

Birds are very special animals that have particular characteristics which are common amongst all of them. For instance, all of them have feathers, wings and two legs. Similarly, all birds lay eggs and are warm-blooded. They are very essential for our environment and exist in different breeds. Thus, an essay on birds will take us through their importance. Birds have different sizes and can be as small as 2 inches and as big as 2.75 meters. For instance, bee, humming bird (smallest) and ostrich (largest). Bird's existence dates back to 160 million years ago. There are different types of birds that exist which vary in characteristics. For instance, there are penguins that cannot fly. Further, there are birds that are known for their intelligence like Parrots and Corvidae. Moreover, we have peacocks which are beautiful and symbolize rain and good weather. Next, there are bats and vultures as well. Birds connect very closely to the environment and are quite intuitive. They can predict the weather conditions and some are kept near coal mines for the prediction of a mine explosion. It is because they are sensitive to the release of high levels of carbon monoxide. They are quite social and enjoy singing as well. Birds enjoy the freedom of moving anywhere without boundaries.

Paras, Class XII Sci.

He Wishes for the Cloths of Heaven

Had I the heavens' embroidered cloths,
Inwrought with golden and silver light,
The blue and the dim and the dark cloths
Of night and light and the half-light,
I would spread the cloths under your feet ...

One of Yeats' short masterpieces, this poem is one of his most famous and widely anthologised lyrics: 'Be careful because you tread on my dreams.' It's a beautifully lyrical exhortation to be treated kindly by one to whom one has pledged one's life and heart.

It was written for Maud Gonne, the woman Yeats loved for many years and viewed as his chief muse. They never married, although Yeats asked her on several occasions. Joseph Hone, one of Yeats's best biographers, records that Yeats once commented in a lecture that another of his poems, 'The Cap and Bells', was the way to win a woman, while 'He Wishes for the Cloths of Heaven' was the way to lose one.

Vishal Rana, Class X

Health– The Best Wealth

The age old popular saying 'Health is Wealth', is a one line, means the absence of physical troubles only, but it refers to state of complete physical and mental and social wellbeing. In the post decade there has been an unprecedented rise in the growing problem of obesity among children, especially in the cities.

Arpit, Class - VIII

Life

Have you ever driven down a road? Just to drive with no destination in mind. The road seems to go on and on with no stopping point. Life is like that long road going on and on. Not knowing when it's going to end.

But still you strive for another tomorrow; hoping that in the long run, everything will turn out alright Just like the road though it must come to an end.

Archita Sharma, Class IX

Stars

How countlessly they congregate
O'er our tumultuous snow,
Which flows in shapes as tall as trees
When wintry winds do blow!
As if with keenness for our fate,
Our faltering few steps on
To white rest, and a place of rest,
Invisible at dawn-
And yet with neither love nor hate,
Those stars like some snow-white
Minerva's snow-white marble eyes
Without the gift of sight.

Dhruv Sharma, Class XII Sci.

I LIKE ENGLISH - POEM

I like English
Cause I want to accomplish,
It has opened my mind
It's where all the things I find.
Sometimes we talk too much about
Mr. Brown
And I feel myself down,
But nothing compares with this class
Especially if I get the grade "pass".
By reading books or listening to music
I learn about the world full of magic,
Realizing that distances are nothing
We do not forget about the meaning.
English is a bridge to a new world
Let's go there word by word,
Having fun is the key
Reaching the one we want to be.

Ayush Sandel, Class XII Sci.

Educational Quotes by Abdul Kalam

- If you want to shine like a sun, first burn like a sun.
- Winners are not those who never fail but those who never quit.
- Never be a prisoner of your past. It was just a lesson, not a life sentence. **Janvi Thakur, Class IX**

Cats are Cute and Mice are Nice

Cats are very cute,
They curl up by the fire,
They carry kittens in their mouths
And meow in a feline chair.
Mice are also nice.
With their tiny little faces,
When they smell cheese and biscuits
They appear from secret places.
I once did see a mouse,
In fact I saw him twice,
He crept unseen by my cat,
To steal a cheddar's slice.
But cats catch cheeky mice.
And I'm certain that it's true,
If Jerry taunted me like Tom,
That's just what I would do!
Why can't they just be friends?
Accepting one another?
They could at least be civil,
Like a sister and a brother.

Ashmit Thakur, Class XII Sci.

EDUCATION

Education has a value
That sometimes cannot be quantified
If you ever doubt your journey
Look within, instead of looking outside
Deep inside your heart
Lie answers to all questions of life
No one else but you and your goals
Will keep you afloat in strife
Keep working hard
Focus on your long term goal
It's not the excuses that count
But the fire in your soul

Suhani Sharma ,Class X

Beauty with Brain

It is always so impressive, to see, “beauty with brain”,
but other than the external beauty, Beauty has other domains.
Beauty having, a strong character,
good thoughts and implementation of these thoughts,
Having a beautiful face is of no use,
If with unkindness and cleverness, the brain starts to rot.
There can be nothing beautiful, than a simple and kind heart,
That’s more important, having a brain is enough,
you needed to be intelligent or smart.
External beauty, doesn’t stay forever, one day it will depart,
What will remain with us is the memory of a beautiful heart.

Saizal Sharma, Class XII Sci.

Exam Stress

What's this convulsion all around my neck?
I've bitten all my nails like a nervous wreck!
Hormones are flying from all of glands
Thinking my entire future lay right here in my hands

My heartbeat is towering, I am breathing so fast,
I'm still wondering how long these feelings will last!
All these negative thoughts are rising to my head
How I really wish I was dead instead!

Relaxing is the key many people told me,
But I never realised how hard it would be.
So all I can do now is hope and pray
That when I enter my exam these feelings will go away!

If those thoughts remain fixed in my head,
I would certainly fail my mother always said!
So I'm trying to think of things which are more cheerful,
But I'm unable to forget the thoughts that are truly fearful!

Astha, Class X

A Poison Tree:

I was angry with my friend:
I told my wrath, my wrath did end.
I was angry with my foe:
I told it not, my wrath did grow.
And I watered it in fears,
Night and morning with my tears;
And I sunned it with smiles,
And with soft deceitful wiles,
And it grew both day and night,
Till it bore an apple bright
And my foe beheld it shine.
And he knew that it was mine,
And into my garden stole,
When the night had veiled the pole;
In the morning glad I see,
My foe outstretched beneath
the tree.

Vishal Rana, Class X

The Smile

There is a smile of love,
And there is a smile of deceit,
And there is a smile of smiles
in which these two smiles meet.
And there is a frown of hate,
And there is a frown of disdain,

And there is a frown of frowns
which you strive to forget in vain,

For it sticks in the heart's deep core,
And it sticks in the deep backbone –
And no smile that ever was smiled,

But only one smile alone,
That betwixt the cradle
and it only once smiled can be;
And, when it once is smiled,
there's an end to all misery.

Hemani Thakur, Class X

Life is a Struggle!

Life is a struggle and an endless fight
Where, even the strongest warrior loses his might!
Here, no one cares about the tears in your eyes
Everyone is too dumb to listen to your loud cries...

You laugh a moment, a moment you cry
Life is a test which needs a try!
It's an old saying that no one cares
All souls moan, but no one hears...

People are made to love and then break
Merely, self-love is real and rest is fake!
Life's a journey, full of ups and downs
Where, the mightiest monarch can lose all his crowns...

Diksha, Class X

RELIEF

One day I was feeling glad
But the news made me sad
Countries are at war that is so bad
Everybody is wandering mad
Then came the news
Thousands died in earthquake
When all of a sudden the earth shake
Horrible was the news of plane crash
Nothing left there in a flash
At polling booth the noise was loud
Police shot to disperse the crowd
Hundreds died in train accident
While going to places for enjoyment
This all took me to grief
How can one get relief?
I thought about the world
And found it mere a bubble
Please anyone tell this in brief
How can one get relief?

Marvi, Class X

YOUR BEST

If you always try your best,
Then you'll never have to wonder,
About what you could have done,
If you'd summoned all your thunder.
And if your best, was not as good,
As you hoped it would be,
You still could say, "I gave today
All that I had in me".

Sejal, Class X

Choose Your Sports

Let's turn off our video games,
And run outside.
From so many sports,
We may choose and decide.

Baseball, soccer and basketball are fun,
Let's grab some friends,
And play in the sun.

In baseball, you will be,
Running around.
When you hit the ball,
It's a beautiful sound.

In soccer, you pass the ball,
Using your feet,
Drink lots of water,
And watch out for the heat.

In basketball, the best sound,
Is a swish,
Making ten in a row,
Is a wonderful wish.

Whatever sports,
You decide to play,
Enjoy them with friends,
Each and every day.

Yashika, Class IX

ENVIRONMENT

The environment with its treasures
All so countless to measure
Fish and whales in the deep blue waters
Life in the sea, so alive.
Grasslands and forests with terrestrial life
Cold, freezing mountain peaks
And hot, tiring deserts
Life among the trees and sands, so alive
Sky so blue with air so clean
Only sun, moon and stars to see
Eagles and vultures take their turn
Life in the sky, so alive.

Sarishti Sharma, ClassIX

The School Magazine

Here comes the school magazine,
Filled with fun and energy,
Covering our rush in studies,
Making our mind very busy.
Contains the glory of the school,
Making it look cool,
Looks like two roads diverged in woods.
Making the name of student council arose,
As they are given a very high post,
Photos of some students feel like fools,
As they are wearing a weird costume,
Looking in its writing part led to confusion,
As some poems in it doesn't have any conclusion,
The work teachers is highly appreciated,
As all of them looks busy and suffocated,
The magazine is the encyclopedia of the school,
The people who don't read it are fools.

Ananya Jaswal, Class-IX

TIME

Time says, "Tie me, Tie me"
Or else I shall fly away.
Man has everything else,
Except the time that he wants.
He loses it everywhere,
From morning till night,
From birth till death.
Time doesn't die at all,
It flies away into thin air
Leaving us empty, just to pity.
Counting on time is stupidity.

Harsh Dhiman, Class VIII

Three Things

Three things to admire,
Nature, beauty and music.
Three things to avoid
Smoking, drinking and gambling.
Three things to govern
Temple , tongue and action.
Three things to watch
Habit behavior and culture.
Three things to remember
Parents, teachers and friends.
Three things to leave
Corruption, terrorism and
drug addiction.

Abhishek Rana, Class VIII

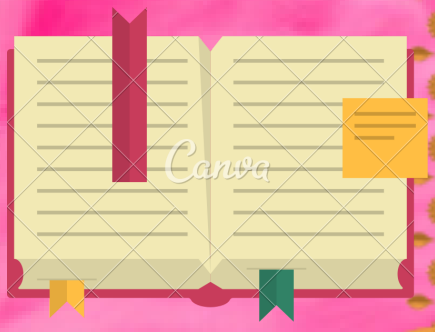

Best Shakespeare Quotes

- "Be not afraid of greatness. Some are born great, some achieve greatness, and others have greatness thrust upon them."
- No legacy is so rich as honesty.
- "Life's but a walking shadow, a poor player, that struts and frets his hour upon the stage, and then is heard no more; it is a tale told by an idiot, full of sound and fury, signifying nothing."
- If we are true to ourselves, we cannot be false to anyone.
- Thought is free.

Vanshika Minhas, Class IX

My Motherland

My motherland, she's so beautiful and bright
She gives me home, a shelter and light.
And we are proud of her history,
Full of struggles and victories.
We got this country from God as a gift,
Not just to take, but mostly to give.
Our motherland takes care of you and me,
And only here can we stay forever free.
We are proud to be her loyal kids,
She brings us up, teaches and leads
She's our life, she is our best part,
She's our soul, brain and heart.
My motherland, you're so beautiful and bright,
May we be strong to keep your shining light.

Aradhya Sharma,Class IV

SCHOOL IS FUN

School is fun,
In the playground, we play and run.
School is fun,
In the classroom, we study and learn.
School is fun,
During the assembly, we exercise under the sun.
School is fun,
Even though there is much work to be done.

Ayush Sharma, Class VII

My Mother

The need is always there
For someone sweet and fair
Thankfully for me
That's my mummy
Who I love without compare.

When I need a helping hand
And just can't understand
One person springs to mind
My mother sweet and kind

I want to say
I love you mum
And when I'm glum
I know you'll make
Me feel it's no big deal.

I cannot think of any one
More giving than my mum
You have my love forever.

Aaradhya Kalia, Class IV

Beauty and The Beast

Nature is beautiful, quiet, and serene,
Nature is the forest, with its many shades of green.
Nature is the birds, welcoming in the dawn,
Nature is a calf, struggling to its feet as soon as it is born.
Nature is a salmon, swimming against the stream,
Nature is a volcanic geyser, venting off steam.

Nature is a beast, kicking up a storm,
Nature is the trees, all bent, and broken, looking so forlorn.
Nature is lightning striking the ground,
Nature is a forest fire, consuming all around.
Nature is a tornado, with its screaming roar,
Nature is a tidal wave, washing everything ashore.
Nature can be a beauty, and nature can be a beast. **Samika , Class V**

FOOTBALL

No matter the weather,
No matter the pain.

The kick always starts the game,
The team runs it back as far as they can.

And the opposing team must defend,
Run or pass you don't want to finish last.

Four fifteen minute quarter to decide the winner.

Practice is the key to a successful team,
Playoffs are where they want to be.

The looser goes home empty handed
And the winner move on.

With the super bowl in view
The lucky few will take home all the glory.
And that's the end of my story.

Pulkit, Class IX

Keep our Earth Clean

Keeping our earth clean is,
A job for me and you,
It's up to everyone to help,
Here what we can do.
Recycle all our papers and plastic,
Throw trash and food away,
Never litter on the street,
Or a fine, you'll have to pay.
Ride your bike, or take the bus,
To help keep our air clean,
Research ways to save on paper,
And how you can 'go green',
Plant a tree, or two or three!
Oxygen cleans the air,
Always treat our streets and lawns,
With gentle love and care.
Be sure you know how to save our earth,
From pollution so that,
We can be healthy and safe,
And make our planet,
The best that it can be!

Tanima Dhiman, Class IX

ANNUAL PRIZE DISTRIBUTION FUNCTION

Hon'ble SDM, Dehra, Mr. Dhanbir Thakur (Nominee Chairman, VMC, KV Naleti) graced the occasion as Chief Guest

It was trying, arduous, demanding, stressful and hard time. Everybody craved for a little fun and entertainment.
The spirit was high and vivacious but the time demanded safety, security and prevention.
So, all the safety measures (SOP) were adopted and followed in letter and spirit.

The Annual Prize Distribution Function was organized with limited number of students, parents and guests but the viewers were in a large multitude as the function was telecast through YouTube and Facebook.

Hence, enjoyed and commended by all viewers watching from home...

ANNUAL PRIZE DISTRIBUTION FUNCTION

ANNUAL PRIZE DISTRIBUTION FUNCTION

ANNUAL PRIZE DISTRIBUTION FUNCTION

ANNUAL PRIZE DISTRIBUTION FUNCTION

WORLD THINKING DAY CELEBRATION

SCIENCE DAY CELEBRATION

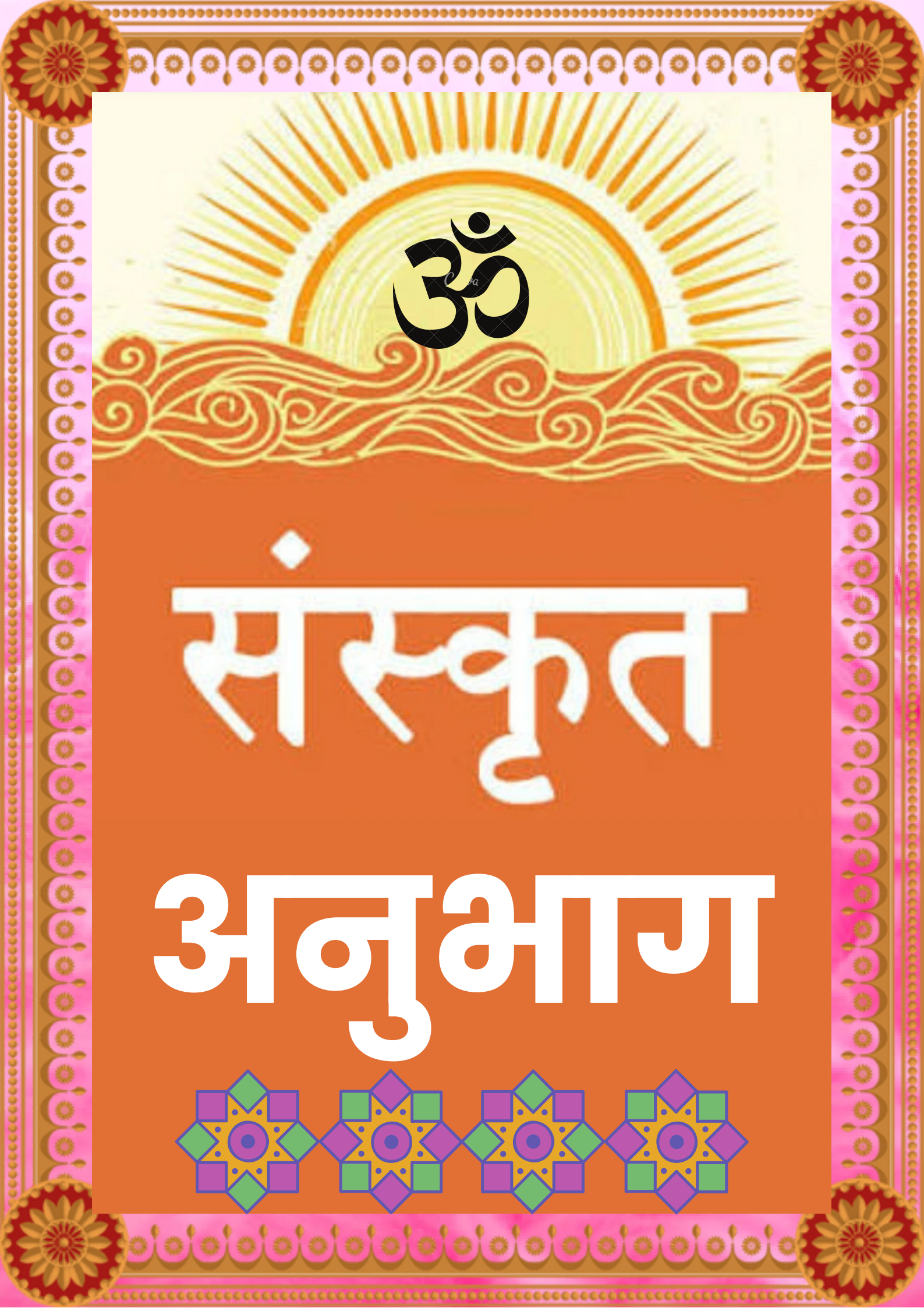
ॐ
संस्कृत
अनुभाग

जन्मभूमि

"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी" ।
मातृभूमि जन्मतः आरभ्य मृत्यु पर्यन्तं अस्माकं रक्षण पोषणं च करोति | माता भूमिः पुत्रोः अहम् पृथिव्याः इति वेद्वाक्यं अस्ति |मातृभूम्यां सर्वे जनाः वन्दनीयभवन्ति |येन-येन प्रकारेण मत्रिभुम्याः रक्षणं करणीयं |

अक्षत शर्मा, कक्षा सप्तमी

प्रकृतिः

प्रकृति माता सर्वेषाम्
बहुनामि फलानां |
बहूनां अस्ति वृक्षाणां
पुष्पाणां चापि मातेयं |
भ्रमराणां पशुनाम्
पक्षिणां च मातास्ति |
जनेभ्यः जीवनं सदा
ददाति प्रकृति माता ||
प्रकृति माता सर्वेषाम्
बहुनामि फलानां |

आरुषि ठाकुर, कक्षा अष्टमी

महाभारतम्

1. महर्षिणा वेदव्यासेन विरचितः बहुप्रसिद्धः इतिहासः विद्यते।
2. अस्मिन् ग्रन्थे कौरव-पाण्डवानां महायुद्धं मुख्य-विषयरूपेण वर्णितमस्ति।
3. मानवजीवनस्य धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष-रूपाः समस्तपुरुषार्थाः अत्र विशालग्रन्थे सन्निवेशिताः।
4. अस्य महाभारतस्य भीष्मपर्वणि श्रीमद्भगवद्गीता विद्यते।
5. भगवता कृष्णेन मोहग्रस्तम् अर्जुनं प्रति ज्ञान-कर्म-भक्ति-विषयकः उपदेशः गीतायां प्रदत्तः।
6. अस्यां गीतायामपि अष्टादश अध्यायाः सन्ति।
7. मानव-जीवनस्य विविधविषयाः अत्र समीचीनतया प्रतिपादिताः सन्ति।

कृति, कक्षा अष्टमी

विद्यार्थी जीवन

एतत् कथ्यते मनुष्यः यावज्जीवं विद्यार्थी अस्ति। सत्यं खलु इदं वचनम्। यदि मनुष्यः विद्याम् अर्जितुं तत्परः भवति तर्हि सः जीवने साफल्यं सुखं च प्राप्नोति। वस्तुतः प्रत्येकः मनुष्यः पञ्चविंशतिवर्षः पर्यन्तं विद्यार्जनं करोति।

विद्यार्थीजीवनस्य प्रारंभः शिशुविद्यालयात् भवति। ततः विद्यालयात्, तत्पश्चात् च महाविद्यालयात् शिक्षा प्राप्नोति।

प्राचीन काले छात्राः गुरुकुलं गच्छन्ति स्म। तत्रैव ब्रह्मचर्य पालयन् विद्याप्राप्त कुर्वन्ति स्म। अधुना शिक्षानीतिः परिवर्तिता। अधुना कतिपयाः छात्राः प्राथमिकिं शिक्षां गृहित्वा उच्चशिक्षार्थं परदेशगमनं कुर्वन्ति। विश्वविद्यालयेषु पठन छात्रावासेषु वसन्ति। अधुना विद्यार्थिनां जीवनस्तर उच्चतरः अभवत्।

विद्याथीजीवनं मानवजीवनस्य मुख्य आधारः। विद्यार्थीजीवने यादृशी शिक्षां प्राप्यते, यान् संस्कारान् लभते, तेषाम् उपयोगः समस्तजीवने भवति। अतः विद्यार्थिनः प्रथमं कर्तव्यं यत् विद्यापठने कदापि आलस्यं न कुर्युः। विद्यार्थी जीवनं सदा अनुशासनपूर्णं भवेत्। यदि छात्रः अनुशासितः भवति, तदा तस्मे किमपि दुष्करं न भवति।

छात्रेण सदैव प्रातः सूर्योदयात् पूर्व उत्तिष्ठनीयम्। प्रातःकाले कृतं स्मरण चिरकालं तिष्ठति। छात्रस्य पठने रुचिः स्वाभाविकी भवेत्। यदि प्रसन्नमनसा पठति, तर्हि परीक्षायां श्रेष्ठान् अङ्कान् आप्नोति।

विद्यार्थीजीवने पठनेन् सह क्रीडनमपि आवश्यकम्। शुद्धवातावरणे क्रीड़नेन शरीरं स्वस्यं भवति तथा मनः अपि पठने एकाग्रं भवति। यदि विद्यार्थी दिनचर्यानुसारं स्वकार्यं समये करोति, तर्हि सः जीवने साफल्यं प्राप्नोति। विद्यार्थिनः देशस्य भावी नागरिकाः सन्ति। आदर्शः छात्रः देशस्य आदर्शः नागरिकः खलु।

सिमरन कुमारी,अष्टमी

परोपकार:

परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः परोपकाराय वहन्ति नद्यः ।
परोपकाराय दुहन्ति गावः परोपकारार्थ मिदं शरीरम् ||1||

परोपकार के लिए वृक्ष फल देते हैं, नदीयाँ परोपकार के लिए ही बहती हैं और गाय परोपकार के लिए दूध देती हैं, (अर्थात्) यह शरीर भी परोपकार के लिए ही है ।

आत्मार्थं जीवलोकेऽस्मिन् को न जीवति मानवः ।
परं परोपकारार्थं यो जीवति स जीवति ||2||

इस जीवलोक में स्वयं के लिए कौन नहीं जीता ? परंतु, जो परोपकार केलिए जीता है, वही सच्चा जीना है ।

राहिणि नलिनीलक्ष्मी दिवसो निदधाति दिनकराप्रभवाम् ।
अनपेक्षितगुणदोषः परोपकारः सतां व्यसनम् ||3||

दिन में जिसे अनुराग है वैसे कमल को, दिन सूर्य से पैदा हुई शोभा देता है । अर्थात् परोपकार करना तो सज्जनों का व्यसन-आदत है, उन्हें गुण-दोष की परवाह नहीं होती ।

ईशिता भाटिया, कक्षा सप्तमी

दीपावली

दीपवलि: भारतस्य एक: महान् उत्सव: अस्ति |अयं उत्सव: कार्तिकमासस्या अमावास्यायां भवति | सांयकाले सर्वे जना: दीपानां माला: प्रज्वालयन्ति | दीपानां प्रकाश: अन्धकारां अपनयति | प्रति गृहम् पुरत: आकाशदीप: प्रज्वालयते | दीपानां प्रकाशेन सह स्फोटकानां अपि प्रकाश: भवति | पुरुष: स्त्रिय: बालका: नूतनानि वस्त्राणि धारयन्ति | रात्रौ जना: लक्ष्मीं पूजयन्ति | ते स्वमित्रेभ्य: बन्धुभ्य: च मिष्टन्नानि प्रेषयन्ति |

वंश मन्हास, कक्षा सप्तमी

गायत्री मंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

अर्थ : उस प्राण स्वरूप, दु:खनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अंत:करण में धारण करें।

वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग में प्रेरित करे. अर्थात् सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परमात्मा के प्रसिद्ध पवणीय तेज का (हम) ध्यान करते हैं, वे परमात्मा हमारी बुद्धि को (सत् की ओर) प्रेरित करें.

नियति स्याल, कक्षा अष्टमी

पुस्तकालय:

यत्र विविधानि पुस्तकानि पठनार्थं संगृहीतानि भवन्ति तत् स्थानम् पुस्तकालयः उच्यते । तत्र हि त्रिविधः पुस्तकालयः व्यक्तिगतः, विद्यालयीयः, सार्वजनिकश्च । व्यक्तिगतः पुस्तकालयः अध्यापकानां अन्येषां बुद्धिजीविनाम् च भवति । विद्यालयीयः विद्यालयस्य अंगम् भवति । छात्राणाम् अध्यापकानाम् च ज्ञानवर्द्धनाय विद्यालयीयः पुस्तकालयः भवति । अत्र शैक्षणिकानि पुस्तकानि संगृहीतानि भवन्ति । निर्धन-छात्राणां कृते विद्यालयीयः पुस्तकालयः अत्युपयोगी भवति । सार्वजनिकेषु पुस्तकालयेषु बहुविधानि पुस्तकानि भवन्ति । पुस्तकालयसम्पर्कात् शनैः -शनैः विद्यारुचिः जागर्ति । सम्प्रति गीतशीलः पुस्तकालयः अपि अस्ति ।

हर्षिता कौंडल, कक्षा सप्तमी

मां

मां , मां त्वं संसारस्य अनुपम् उपहार:,
न त्वया सदृशं कस्या: स्नेहम् |
करूणा , ममताया: त्वं मूर्ति: ,
न कोपि कर्तुम् शक्नोति तव क्षतिपूर्तिम् ||
तव चरणयो: मम जीवनं अस्ति,
मां शब्दस्य महिमा अपार: |न मा सदृशं कस्या: स्नेहं,
मां त्वं संसारस्य अनुपम् उपहार: ||

विशाल राणा, कक्षा – दसवीं

जीवन संस्कार:

विद्या जीवनं अस्ति – अविद्या मृत्यु: |
सत्यं जीवनं अस्ति – असत्यं मृत्यु: |
धर्म जीवनं अस्ति – अधर्म मृत्यु: |
परोपकार: जीवनं अस्ति – स्वार्थ: मृत्यु: |
वीरता जीवनं अस्ति – दौर्बल्यं मृत्यु: |
अहिंसा जीवनं अस्ति – हिंसा मृत्यु: |
प्रेम जीवनं अस्ति – घृणा मृत्यु: |
एक्यं जीवनं अस्ति – भिन्नता मृत्यु: |
पुरुषार्थं जीवनं अस्ति – आलस्यो: मृत्यु: |
सत्संग: जीवनं अस्ति – कुसंगे मृत्यु: |

अबिनव शर्मा , कक्षा छठी

राष्ट्रीय ध्येय वाक्यानि

1. सत्यमेव जयते – भारत सरकार
2. धर्मचक्र प्रवर्तनाय – लोक सभा
3. यतोधर्मस्ततो – सर्वोच्च न्यायालय
4. बहुजन हिताय – आकाशवाणी
5. सत्यं शिवं सुन्दरम् – दूरदर्शन
6. सेवा अस्माकं धर्म: - थल सेना
7. नभ: स्पर्शं दीप्तम् – वायु सेना
8. शं नो वरुण – नौ सेना
9. अहर्निशं सेवामहे – भारतीय डाक विभाग
10. विद्या अमृतंऽश्नुते – एन०सी०इ०आर०टी०

राशि शर्मा, अष्टमी

हास्य कणिका

1. अध्यापक: - (छात्रान् प्रति) वदत , वर्षाया: सर्वाधिक: लाभ: क: ?
छात्र: - श्रीमान् तस्मिन् दिवसे विद्यालये अवकाशो: भवति |
2. महेश: - ह्य: अहं मृगालयं गतवान् |
रामू: - सत्यम् | अहमपि तत्र आसम् |
महेश: - कस्मिन् पिन्जरे ?
3. भूगोल: शिक्षक: - छात्रान् प्रतिवदत , स्वर्ण कुत्र उपलभ्यते ?
छात्रा: - मम मातु पेतिकायां इति |
4. पत्नी: - त्वं सदैव कार्यालयात् विलम्बात् कथं आयासि ?
पति: - यतोहि कार्यालये अहं स्वतन्त्रताम अनुभवामि ?

हर्ष धीमान, कक्षा अष्टमी

विद्या

विद्या धनं सर्वधनं प्रधानम् इति सर्वैः स्वीक्रियते, यतोहि विद्यया एव सर्वे जनाः सर्वाणि कार्याणि साधयितुं समर्थाः भवन्ति। विद्यां प्राप्य उन्नतिं, कीर्तिं, सुखसमृद्धिं च लभन्ते विद्वांसः। विद्याधनं व्ये कृते वर्धते, संचायत् च क्षयम् आप्नोति, एतस्माद् इदं अपूर्वम् एव धनं।

नृपाः, राष्ट्र-पतयः, मुख्यमंत्रिणः, प्रधानमंत्रिणो अपि विविधविषयविशेषज्ञानां, कवीनां, वैज्ञानिकानां मतिमतां विदुषां समादरं कुर्वाणाः तेषां उत्साहवर्धनं कुवन्ति पुरस्कारैः। अत अस्माभिरपि विद्या पूर्णमनोयोगेन पठनीया, ग्रहणीया विद्याविहीना पशु इति निर्विवादेन सिध्यति।

विद्या अधुना युगे अत्यावश्यकं अस्ति। विद्याविहीन: पशुभि: समान:। विद्यया एव मनुष्या: संसारस्य सर्वश्रेष्ठा: प्राणिन: भवन्ति। विद्या अध्ययनेन मनुष्यस्य बुद्धि: तीव्रा भवति। विद्या विनयं ददाति। विद्या परं दैवतं,परं मित्रं च अस्ति। विदेशेषु अपि विद्या एव बन्धु: अस्ति। विद्यया पात्रतां याति। विद्यया मनुष्य: धनं आप्नोति। धनात् सर्वाणि सुखानि लभते।

प्रियांशु शर्मा,कक्षा अष्टमी

संस्कृत श्लोका:

प्रभो शक्तिमन् हिन्दुराष्ट्राङ्गभूता, इमे सादरं त्वाम नमामो वयम् ।
त्वदीयाय कार्याय बध्दा कटीयं, शुभामाशिषम देहि तत्पूर्तये॥1॥

हे सर्वशक्तिशाली परमेश्वर! हम हिन्दूराष्ट्र के अंगभूत तुझे आदरसहित प्रणाम करते हैं। तेरे ही कार्य के लिए हमने अपनी कमर कसी है। उसकी पूर्ति के लिए हमें अपना शुभाशीर्वाद दे।

अजय्यां च विश्वस्य देहीश शक्तिम, सुशीलं जगद्येन नम्रं भवेत्,
श्रुतं चैव यत्कण्टकाकीर्ण मार्गं, स्वयं स्वीकृतं नः सुगं कारयेत्॥ 2॥

हे प्रभु! हमें ऐसी शक्ति दे, जिसे विश्व में कभी कोई चुनौती न दे सके, ऐसा शुद्ध चारित्र्य दे जिसके समक्ष सम्पूर्ण विश्व नतमस्तक हो जाये ऐसा ज्ञान दे कि स्वयं के द्वारा स्वीकृत किया गया यह कंटकाकीर्ण मार्ग सुगम हो जाये।

वंशिका मन्हास, कक्षा नवमी

वीरा: सैनिका:

एक: बाल: – सैनिका:! यूयं सदैव युद्धे कष्टं अन्वभवत् । यूयं शीतं ताप वर्षा च न अगणयत् । स्वल्पम् भोजनं अखादत् । यूयं पदभ्यां एव अचलत् । यूयं शत्रुन् आक्राम्यता । यूयं तां अजयत् । युष्माकम् कारणेन वयं स्वतन्त्र: स्म: । वयं युष्मान् सादरं नमाम: ।

एक: सैनिक: – बाल! त्वमपि वीर: असि देशभक्त: च असि । अत: त्वं अस्माकं प्रिय: असि ।

आस्था वालिया, कक्षा सातवीं

ऊं का महत्व

सर्वे वेदाः यत् पदम् आमनन्ति सर्वाणि तपांसि च यत् वदन्ति ।
यत् इच्छन्तः ब्रह्मचर्यं चरन्ति तत् पदं ते सङ्ग्रहेण ब्रवीमि ॐ इति एतत् ॥

"जिस (परम) पद का सभी वेद महिमागान करते हैं तथा सभी तपस्याएं जिसके विषय में बताती हैं, जिसकी इच्छा करते हुए मनुष्य ब्रह्मचर्य का आचरण करते हैं, 'उसे' संक्षेप में परम पद 'ॐ' कहते हैं ।

संयम धीमान, कक्षा सातवीं

क्लिष्टा न च कठिणा

सुरस सुबोधा, विश्व मनोज्ञा ललिता हृद्या, रमणीया । अमृत वाणि, संस्कृत भाषा नैव क्लिष्टा न च कठिणा ॥

कवि कोकिला वाल्मीकि विरचिता रामायण रमणीय कथा । अतीव सरला मधुर मन्जुला नैव क्लिष्टा न च कठिणा ॥

व्यास विरचिता गणेश लिखिता महाभारते पुण्य कथा । कौरव पाण्डव संगर मथिता नैव क्लिष्टा न च कठिणा ॥

कुरुक्षेत्र समराङ्गणगीता विश्ववन्दिता भगवद्गीता । अमृतमधुरा कर्मदीपिका नैव क्लिष्टा न च कठिणा ॥

कविकुलगुरुनवरसोन्मेषजा ऋतु रघु कुमारकविता । विक्रम शाकुन्तल मालविका नैव क्लिष्टा न च कठिणा ॥

कनिका, कक्षा दसवीं

वाणी रसवती यस्य, यस्य श्रमवती क्रिया ।
लक्ष्मी : दानवती यस्य, सफलं तस्य जीवितं ॥

हिंदी अर्थ:- जिस मनुष्य की वाणी मीठी है, जिसका कार्य परिश्रम से परिपूर्ण है, जिसका धन दान करने में प्रयोग होता है, उसका जीवन सफल है।

आस्था, कक्षा दसवीं

अद्भुत स्वप्न ?

राजीवस्य अदभुतं स्वपनम् सिंहो वदति म्याऊँ म्याऊँ हस्ती धावति यथा चित्रकः सर्पः वदति भौं-भौं भाऊँ । भल्लूकः दुर्बल: तथा यत् । यथा चमरपुच्छा संजातः । मूषकभीता धावति मार्जारी । शशक: धावति शृंगयुतः। **हेमानी ठाकुर, कक्षा दसवीं**

यस्य कृत्यं न विघ्नन्ति शीतमुष्णं भयं रति । समृध्दिरसमृद्धिर्वा स वै पण्डित उच्यते ॥
One whose task is never hindered by cold, heat, fear, love, prosperity or lack of it, is really superior.
जिसका कार्य कभी ठंड, ताप, भय, प्रेम, समृद्धि, या उसका अभाव से बाधित नहीं होता, केवल वही वास्तव में श्रेष्ठ है। **हेमानी ठाकुर, कक्षा दसवीं**

मममित्रं - समय:

समयेन च जागरनीयं समयेन च शयनीयं | कालेन अध्ययनं कर्तव्यं कालेन च खेलितव्यं | किं च सर्वाणि कार्याणि यथा समय बद्धता | समय बद्धता नाम अयं गुणो न केवलं अस्माकं कृते अपितु सर्वेषां कृते परमावश्यक: | य: कोऽपि इमं गुणं स: नूनम् सर्वत्र सर्वदा च विजय लभते , अत्र न संशय: | विशेषत: अस्माकं छात्राणां कृते तु समयबद्धता सफ़लताया: कुञ्चिका | **यशिका, कक्षा नवमी**

सुभाषितानि

कश्चित् कस्यचिन्मित्रं, न कश्चित् कस्यचित् रिपुः।
अर्थतस्तु निबध्यन्ते, मित्राणि रिपवस्तथा ॥

भावार्थ :

न कोई किसी का मित्र है और न ही शत्रु, कार्यवश ही लोग मित्र और शत्रु बनते हैं ।

मूर्खशिष्योपदेशेन दुष्टास्त्रीभरणेन च।
दुःखितैः सम्प्रयोगेण पण्डितोऽप्यवसीदति॥

भावार्थ :

मूर्ख शिष्य को पढ़ाने पर , दुष्ट स्त्री के साथ जीवन बिताने पर तथा दुःखियों- रोगियों के बीच में रहने पर विद्वान व्यक्ति भी दुःखी हो ही जाता है ।

आरुषि ठाकुर, अष्टमी

प्रहेलिका:

1) मेघश्यामोअस्मिन नो कृष्ण, महाकायो न पर्वतः ।
बलिष्ठोअस्मि भीमोअस्मि कोअस्म्यहं नासिकाकर: ॥

उत्तरम्- गजः

2) वृक्षाग्रवासी न च पक्षिराज: त्रिनेत्रधारी न च शूलपाणी: ।
त्वग्वस्त्रधारी न च सिद्धयोगी जलं च बीभ्न्न घटो न मेघ: ॥

उत्तरम् – नारिकेलम्

3) न तस्यादिर्न तस्यान्तं मध्ये यस्तस्य तिष्ठति ।
तवाप्यस्ति ममाप्यस्ति यदि जानासि तद्वद ॥

उत्तरम् – नयनम्

4) आपदोदूरगामी च साक्षरो न च पण्डित: ।
अमुख स्फुटवक्ता च , यो जानाति स पण्डित: ॥

उत्तरम् – पत्रम्

इशिता डोगरा, कक्षा सातवीं

संस्कृतदिवस:

आमन्त्रितोल्लासविलासिवर्ष: , विवृद्धवृद्धौघहषीकहर्ष: ।
विद्योतितछात्रगुणप्रकर्ष: ‘ सुपर्व भाषादिवस: अयम् ॥
मनोमुद: कोविदकुञ्जराणां , अन्यत एतेन च निर्जराणाम् ।
गुणैर्गरिष्ठेरिह भासमानो , विराजता संस्कृतवासरोऽयम् ॥
प्रतिप्रदेशं किल कीर्तिं घोष: , जनै: समुत्तोल्य: मुदा स्वदोष: ।
गीर्वाणवाणीगुणगौरवाणां , मार्चयते संसदिकोविदानाम् ॥

अंशिका शर्मा , कक्षा आठवीं

संस्कृत भाषाया: अर्थ:

सं - संसारे
स् - स्वमातु: तुल्य स्नेहवती
कृ - कृतं प्रकाशं यथा सा
त - तपस्विनां आराध्या
म् - मृदु:
इति भाषा एवं संस्कृतं अस्ति ।

अभय जस्सल, कक्षा नवमी

सर्वेभ्य: शिक्षिकाभ्य: शिक्षकेभ्य: च समर्पितम्

किम् अस्ति तत् पदम् ।
य: लभते इह संम्मानम् ॥
किम् अस्ति तत् पदम् ।
य: करोति देशानांम् ॥1॥

किम् अस्ति तत् पदम् ।
यम् कुर्वन्ति सर्वे प्रमाणम् ॥
किम् अस्ति तत् पदम् ।
यस्य छाया: प्राप्तम् ज्ञानम्॥2॥

किम् अस्ति तत् पदम् ।
य: रचयति चरित्र जनानाम् ॥
किम् अस्ति तत् पदम् ।
सर्वेषां गुरूणां शतं प्रणाम ॥3॥

अधिक्षित राणा, कक्षा सातवीं

वृक्षा:

श्रूयताम् सर्वे वृक्षपुराणम्,
क्रियताम् तथा वृक्षारोपणम्।
वृक्षस्यास्ति सुन्दरम् याति मूलं बहुदूरम्॥
मूलेपी अन्नम्, तस्य काष्ठं कठिनम्,
काष्ठं कठिनं भवति इन्धनार्थम्।
पर्णेषु भवति हरितद्रव्यम्,
अतो हि अस्ति रे पर्ण हरितम्॥
मास्तु रे मास्तु ईदृशं पापं,
यथाशक्ति क्रियताम् वृक्षारोपणम्।
नैव रे नैवास्तु वृक्षकर्तनम्',
सर्वे हि कुर्वन्तु तद्संवर्धनम्॥

एकता ठाकुर -बारहवीं (ब)

स्मृति सौरभम्

आनन्दगङ्गा वहतीव यत्र
सौन्दर्यसिप्ता सरतीव यत्र।
बन्धुत्वसिन्धुश्चलतीव यत्र
संस्कारशुद्धोऽस्ति स वि विभाग:
विलोक्य विद्यां प्रति कर्मनिष्ठाम्
चेष्टां च सर्वां निजनेत्रकान्त्या।
जातं हि चित्तं सुखमण्डितम् मे
विद्या यतो मे जनजीव जीर्णा।
शुभ्रा सुचित्रा सरला सुभद्रा
विभगदायित्वानगाधिरूढा।
बन्धुत्वावद्याविषये प्रवीणा:
तां भारतीं स्नेहवतीं स्मरामि।
या माधवी माधवभावसिक्ता
सदानुरक्ताऽध्ययनेऽतिशान्ता।
विद्योतते या प्रतिभेव साक्षात्।

पलक, कक्षा अष्टमी

वीरा: सैनिका:

एक: बाल: - सैनिका:! यूयं सदैव युद्धे कष्टं अन्वभवत्। यूयं शीतं ताप वर्षा च न अगणयत्। स्वल्पम् भोजनं अखादत्। यूयं पदभ्यां एव अचलत्। यूयं शत्रुन् आक्राम्यता। यूयं तां अजयत्। युष्माकम् कारणेन वयं स्वतन्त्र: स्म:। वयं युष्मान् सादरं नमाम:।
एक: सैनिक: - बाल! त्वमपि वीर: असि देशभक्त: च असि। अत: त्वं अस्माकं प्रिय: असि।

अन्वी शर्मा, अष्टमी

ॐ का महत्व

सर्वे वेदाः यत् पदम् आमनन्ति सर्वाणि तपांसि च यत् वदन्ति।
यत् इच्छन्तः ब्रह्मचर्यं चरन्ति तत् पदं ते सङ्ग्रहेण ब्रवीमि ॐ इति एतत्॥
"जिस (परम) पद का सभी वेद महिमागान करते हैं तथा सभी तपस्याएं जिसके विषय में बताती हैं, जिसकी इच्छा करते हुए मनुष्य ब्रह्मचर्य का आचरण करते हैं, 'उसे' संक्षेप में परम पद 'ॐ' कहते हैं।

रियान बनियाल, कक्षा सप्तमी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

होली के रंग

आशीर्वाद समारोह, कक्षा बारहवीं

उभरते हुए चित्रकारों की कृतियाँ

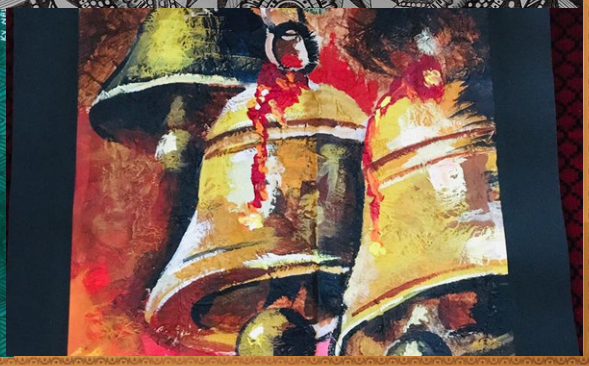

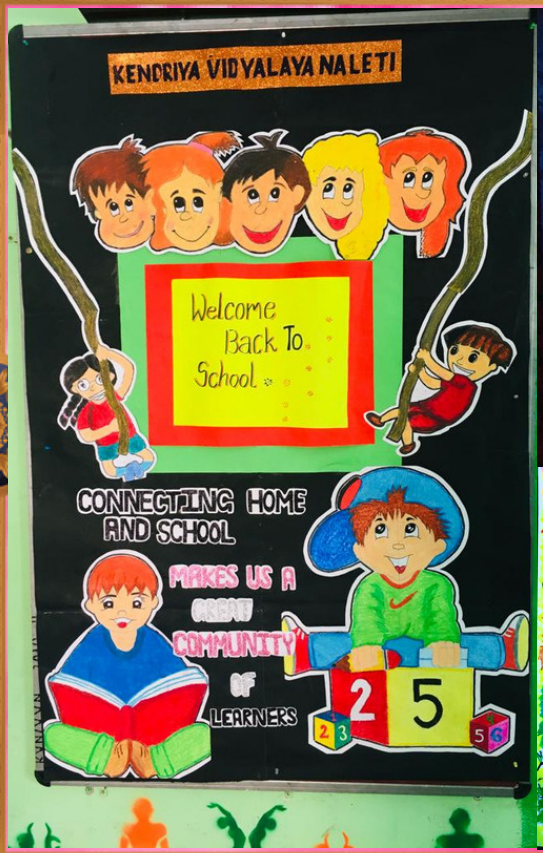

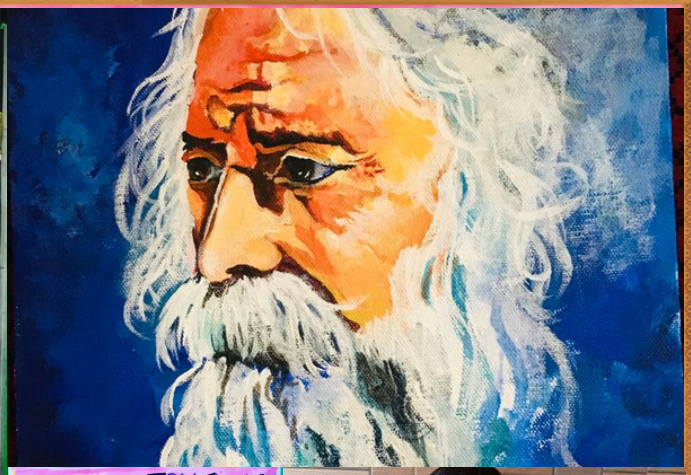

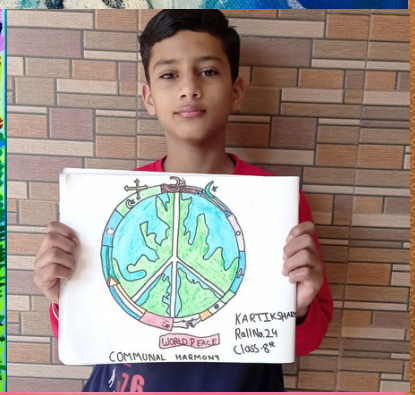

रंगोली (आज़ादी का अमृत महोत्सव)

के वि नलेटी सुर्ख़ियों में

केंद्रीय विद्यालय नलेटी में मनाया दीक्षांत समारोह

डाडासीबा। शुक्रवार को केंद्रीय विद्यालय नलेटी में सत्र 2021.22 में स्काउट गाइड मुहिम के अंतर्गत शामिल होने वाले कब बुलबुल एवं स्काउट गाइड के बच्चों का दीक्षांत समारोह ऑनलाइन माध्यम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य स्वाति अग्रवाल के मार्गदर्शन में पुस्तकालय अध्यक्ष अनूप सिंह द्वारा किया गया। दीक्षांत समारोह में 10 कब, 12 बुलबुल, 10स्काउट तथा 11 गाइड लड़के–लड़कियों को शपथ दिलाई गई कि वे स्काउट–गाइड के नियमों का पूरी निष्ठा से पालन करेंगे। प्राचार्या स्वाति अग्रवाल ने कार्यक्रम में बच्चों को आशीर्वचन दिए तथा उन्हें कोविड नियमों का पालन करने तथा एक.एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया ।

केवि नलेटी में हिंदी भाषा का महत्व बताया

केवि नलेटी में हिंदी पखवाड़े के शुभारंभ के दौरान प्राचार्य व अन्य ● जागरण।

संवाद सूत्र, डाडासीबा : केंद्रीय विद्यालय नलेटी में बुधवार को हिंदी पखवाड़ा शुरू हुआ। इसका शुभारंभ प्राचार्या स्वाति अग्रवाल ने किया। हिंदी विभाग के समस्त शिक्षकों ने भी मां सरस्वती को पुष्प अर्पित कर वंदना की।

प्राचार्या स्वाति अग्रवाल ने कहा कि हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों व कार्यालय कर्मचारियों के लिए हिंदी में विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। हिंदी पखवाड़ा का मुख्य उद्देश्य हिंदी का व्यावहारिक व कार्यालय कामकाज में ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करना है। विद्यालय के समस्त बच्चे बोलचाल में ज्यादा से ज्यादा हिंदी भाषा का प्रयोग करें और अपने परिवेश में लोगों को हिंदी के प्रति जागरूक करें।

केंद्रीय विद्यालय नलेटी का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, प्राचार्य ने दी बधाई

डाडासीबा। सीबीएसई ने कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया जिसमें केंद्रीय विद्यालय नलेटी का परीक्षा परिणाम शत.प्रतिशत रहा। विज्ञान व वाणिज्य दोनों ही संकायों में परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विज्ञान वर्ग में निम्न बच्चों ने बाजी मारी। मानसी शर्मा, 95.2 फीसद अक्षिता गर्ग ;94.6फीसद, तमन्ना मन्हास ;93.6 फीसद तथा वाणिज्य वर्ग में अनमोल ;90.6फीसद, शितिज राणा ;88.8फीसद, कृति ;88फीसद विद्यालय के 38,28 विज्ञान् 10 वाणिज्यद्ध विद्यार्थियों ने बारहवीं की परीक्षा दी, जिसमें से 10 बच्चों ने 90 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त किए। विद्यालय प्राचार्या स्वाति अग्रवाल ने विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कांगड़ा जि... गया टी...

धर्मशाला। मुख्य चि... हुए बताया कि जिल... टीकाकरण किया ग...

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा शुक्रवार को कक्षा बाहरवीं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। जिसमें केन्द्रीय विद्यालय नलेटी का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। मिली जानकारी के अनुसार विज्ञान व वाणिज्य दोनों ही संकायों में परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। वहीं विज्ञान वर्ग में मानसी शर्मा(95.2), अक्षिता गर्ग (94.6), तमन्ना मन्हास(93.6) तथा वाणिज्य वर्ग में अनमोल (90.6), शितिज राणा (88.8), कृति (88) ने बाजी मारी है। विद्यालय के 38 (28 विज्ञान+10वाणिज्य) विद्यार्थियों ने बारहवीं की परीक्षा दी थी, जिसमें 10 बच्चों ने 90 प्रतिशत से ऊपर अंक हासिल किए। विद्यालय प्राचार्या स्वाति अग्रवाल ने विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को हार्दिक शुभकामनाएं देते [redacted] के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है, साथ ही [redacted] कि केंद्रीय विद्यालय नलेटी द्वार हर वर्ष की तरह इस

केवि नलेटी में मनाया मातृ भाषा दिवस

संवाद सूत्र, डाडासीबा : केंद्रीय विद्यालय नलेटी में मातृ भाषा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य स्वाति अग्रवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया। कार्यक्रम 23 फरवरी तक चलेगा, जिसमें काव्य पाठ, निबंध लेखन, नारा लेखन, भाषण आदि गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। प्राचार्य ने कहा कि मातृ भाषा ही वह भाषा है, जो संसार से हमारा परिचय करवाती है।

केंद्रीय विद्यालय नलेटी में सरस्वती माता की मूर्ति का एसडीएम देहरा ने किया अनावरण

शिरकत की। विद्यालय प्राचार्या स्वाति अग्रवाल ने बैठक में उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों को प्रतीक चिन्ह देकर उनका स्वागत किया। बैठक में विद्यालय विकास के विभिन्न मदों पर

कारगिल विजय दिवस की 22वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य पर केन्द्रीय विद्यालय नलेटी में देश के लिए कुर्बान हुए जवानों को नमन किया गया । इस दौरान प्राचार्या स्वाति अग्रवाल ने शहीदों की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्ज्वलन किया तथा पुष्प अर्पित कर उनकी शहादत को याद किया। प्राचार्या ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का प्रतीक कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को मनाया जाता है | साल 1999 में कारगिल युद्ध में देश के वीर जवानों ने पाकिस्तान को धूल चटा दी थी। कारगिल विजय दिवस के मौके पर देशवासी अपने प्राणों की आहुति देकर भारत माता की रक्षा करने वाले वीर जवानों को याद करते हैं और उन्हें

केंद्रीय विद्यालय नलेटी में सरस्वती माता की मूर्ति का एसडीएम देहरा ने किया अनावरण

स्वतंत्र हिमाचल
(देहरा)बंदना ठाकुर

केन्द्रीय विद्यालय,नलेटी में बुधवार को सरस्वती माता की मूर्ति की स्थापना की गई । इस अवसर पर विद्यालय में पूजा की गई, जिसमें प्राचार्या महोदया तथा विद्यालय के

केंद्रीय विद्यालय नलेटी में सरस्वती माता की मूर्ति स्थापित

के वि नलेटी सुर्ख़ियों में

केंद्रीय विद्यालय नलेटी में बसंत पंचमी की धूम

गरली। माघ माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी पांच फरवरी को बसंत पंचमी के उपलक्ष में केंद्रीय विद्यालय नलेटी के प्रांगण में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा प माल्यार्पण, पुष्प अर्पण तथा दीप प्रज्वलन कर सरस्वती मां की पूजा की गई तथ बच्चों के द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। प्राचार्या स्वाति अग्रवाल ने बच्चों तथ समस्त शिक्षकों को बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बस पंचमी का त्योहार हमें नई ऊर्जा तथा ज्ञान से परिपूर्ण कर कर्त्तव्य पथ पर आगे बढ़ की प्रेरणा देता है। महोदया ने वीणावादिनी से प्रार्थना की कि हम पर मां सरस्व की कृपा हमेशा बनी रहे। साथ ही प्राचार्य महोदया ने बताया कि बसंत ऋतु में प्रकृ पुराने पतों को गिरा कर नए पल्लवों का स्वागत करती है। अतः आप सब ब प्रकृति की तरह नई ऊर्जा से सराबोर होकर अपने अध्ययन कर्म से जुड़कर जी पर आगे बढ़ो।

केंद्रीय विद्यालय में कक्षा प्रथम हेतु प्रवेश फॉर्म भरने की दिनांक में बढ़ोतरी

डाडासीबा। केंद्रीय विद्यालय नलेटी प्राचार्य स्वाति अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कक्षा प्रथम के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है और कक्षा प्रथम हेतु न्यूनतम उम्र 6 वर्ष 31 मार्च 2022 तक निर्धारित की गई है। अतः ऑनलाइन पंजीकरण, जो दिनांक 28 फरवरी 2022 को शुरू हुआ था अब 11 अप्रैल 2022 सांय 7 बजे तक किया जा सकेगा। प्रवेश सूचना 2022.23 के अन्य दिशा-निर्देश यथावत रहेंगे।

विषय चुनने पर किया छात्रों का मार्गदर्शन

डाडासीबा : केंद्रीय विद्यालय नलेटी में जमा एक में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए ओरियंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को विषय चुनने के बारे में जानकारी देना रहा। जीव विज्ञान शिक्षिका शशि कला, अध्यापक अमित, वाणिज्य के शिक्षक राजेश कुमार अपने विषयों से संबंधित जानकारी दी। भविष्य में इन विषयों से मिलने वाले रोजगार के बारे में भी उन्हें बताया। प्राचार्य स्वाति अग्रवाल ने बच्चों से सुनहरे भविष्य के लिए उचित विषय चुनने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से

केवि नलेटी में भी होगा परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम आयोजित

डाडासीबा। प्रधानमंत्री पहली अप्रैल को परीक्षा पे चर्चा विषय पर तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली से प्रातः 11.00 बजे देश के विभिन्न छात्रो, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत करेंगे, जिसका सीधा प्रसारण चैनलों द्वारा किया जाएगा। केंद्रीय विद्यालय नलेटी के सभी छात्रों के लिए विद्यालय में भी इसका आयोजन किया जा रहा है। सभी छात्रों के अभिभावक परीक्षा पे चर्चा 2022 का सीधा प्रसारण देखकर बच्चों के साथ सहयोगी की भूमिका का निर्वाह कर सकते हैं। विद्यालय प्राचार्या स्वाति अग्रवाल ने बताया कि परीक्षा पे चर्चा के पांचवें संस्करण के अवसर पर प्रधानमंत्री छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत करेंगे, ताकि छात्र आगामी बोर्ड परीक्षा टर्म . 2 को तनाव रहित होकर आराम से दे सके। सभी छात्रों व अभिभावकों के लिए परीक्षा पे चर्चा 2022 का सत्र

नलेटी के विद्यार्थियों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ

संवाद सूत्र, डाडासीबा : केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी केंद्रीय विद्यालय नलेटी में मनाए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत कार्यक्रम हुआ, जिसमें प्राचार्य समेत शिक्षकों व विद्यार्थियों ने सत्यनिष्ठा की शपथ ली।

विद्यालय के सभी कर्मचारियों ने आनलाइन माध्यम से प्रतिज्ञा लेकर प्रमाणपत्र प्राप्त किया तथा विद्यार्थियों

प्रतिज्ञा का लिंक उपलब्ध करवाक आनलाइन माध्यम से प्रतिज्ञा ले के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य स्वा अग्रवाल ने अपने भाषण में कहा वि सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्र का उद्देश्य लोक सेवकों के बी सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेह को बढ़ावा देना तथा भ्रष्टाचार के अस्तित्व, कारणों, गंभीरता औ समग्र रूप से समाज के इसके द्वा उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकत

केंद्रीय विद्यालय नलेटी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आयोजित कार्यशाला संपन्न

डाडासीबा। केंद्रीय विद्यालय नलेटी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आयोजित चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 12 अगस्त 2021 से शुरू किया गया था, जिसका 17 अगस्त को समापन हो गया है। इस कार्यशाला में विद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षकों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न अध्यायों पर व्याख्यान दिए, जो इस नयी शिक्षा नीति को समझने में बहुत ही उपयोगी साबित हुए है। विद्यालय प्राचार्या स्वाति अग्रवाल ने बताया कि शिक्षा नीति को समझकर ही शिक्षण प्रक्रिया में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। अतः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आयोजित कार्यशाला बहुत ही उपयोगी साबित हुई है।

शानदार प्रदर्शन करने वाले मेधावी सम्मानित

डाडासीबा : केंद्रीय विद्यालय नलेटी में शुक्रवार वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह मनाया गया। कार्यक्रम एसडीएम देहरा धनवीर सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिकरत की। इसके एसएमसी सदस्य व नलेटी पंचायत प्रधान अंकुश शर्मा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस दौरान स्कूली छात्रों सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुतियां दीं। वहीं मुख्यातिथि ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 में कक्षा 10 तथा जमा दो में शानदार प्रदर्शन करने वाले व सत्र 2021-22 में विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

केंद्रीय विद्यालय नलेटी में महिला दिवस आयोजित

डाडासीबा। केंद्रीय विद्यालय नलेटी में केन्द्रीय विद्यालय संगठन नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशानुसार विद्यालय प्रांगण में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन बड़ी ही धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रांगण द्वार पर बैनर लगाया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य महोदया के कर कमलों द्वारा माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। नरेंद्र कुमार, स्नातकोत्तर शिक्षक ने महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं का समाज की उन्नति में अमूल्य योगदान है। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर ही हम महिलाओं को सच्चा सम

रूपाशी ने पेश किया शानदार नृत्य

डाडासीबा : केंद्रीय विद्यालय नलेटी में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। इस दिवस को वर्चुअल रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका कला कटोच ने दिया। कक्षा बारहवीं के छात्र साहिल ने खेलकूद विषय पर अपना भाषण दिया। कक्षा छठी की छात्रा रूपाशी ने नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा नौवीं की छात्रा आस्था व कक्ष की छात्रा विदुषी ने मेजर ध्यान के जीवन तथा खेल पुरस्कारों प्रकाश डाला। कक्षा नौवीं की मारवी ने गीत गया। विद्यालय खेल शिक्षक नरेश कुमार ने र महता पर प्रकाश डाला। प्रधान स्वाति अग्रवाल ने खेल दिवस शुभकामनाएं दीं।

केंद्रीय विद्यालय नलेटी में कैरियर काउंसलिंग व गाइडैंस सेशन का आयोजन

कैरियर काउंसिल में भाग लेते छात्र-छात्राएं।

सियूल/डाडासीबा, 24 नवंबर (प्रवीण शर्मा): केवी नलेटी में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए कैरियर काउंसलिंग व गाइडैंस के बताया। इसमें विशेष योग्यता प्राप्त करने के लिए बीए जीएमसी कोर्स किया जा सकता है। पीएचडी का कोर्स भी किया अच्छा बोल सकता है, जो अच्छ

विद्यालय में कक्षा प्रथम और द्वितीय के छात्रों का आगमन

डाडासीबा। केंद्रीय विद्यालय नलेटी में कक्षा प्रथम और द्वितीय के छात्रों ने पिछले कल से विद्यालय आना शुरू किया। कक्षा तीसरी से लेकर

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह मनाया

डाडासीबा। केंद्रीय विद्यालय नलेटी ने गुरुवार को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह का आयोजन किया जिसमें कक्षा तीसरी से लेकर बाहरवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य श्रीमती स्वाति अग्रवाल के कर कमलों द्वारा आदरणीय मौलाना अब्दुल कलाम आजाद की प्रतिमा के माल्यार्पण के साथ हुई। संजीव कुमार पीजीटी रसायन विज्ञान ने बच्चों को इस दिन की महता के बारे में बताया। उसके बाद बच्चों के लिए निबंध लेखनए नारा लेखनए कार्ड मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बच्चों ने इस शुभ अवसर पर शिक्षा से संबंधित एक रैली भी निकाली। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती स्वाति अग्रवाल ने बच्चों को इस दिन की शुभकामनाएं दी और अपनी शिक्षा में दिन प्रतिदिन उन्नति करने के लिए प्रेरित किया।

केंद्रीय विद्यालय नलेटी को दस सोलर लाईटें मिलने पर एसडीएम व डीसी का जताया अभार

डाडासीबा। केंद्रीय विद्यालय नलेटी मे तैनात स्कूल प्रधानाचार्य स्वाति अग्रवाल की मांग पर जिलाधीश कांगडा डॉ. निपुण जिंदल द्वारा दस सोलर लाईटें मुहैया करवाई है, जिसके लिए स्कूल प्रचार्य स्वाति अग्रवाल स्कूल मनेजमेट कमेटी आदि ने खासकर एसडीएम देहरा धनबीर सिंह ठाकुर व डीसी कांगड़ा डॉ. निपुण जिंदल का तहेदिल से अभार व्यक्त किया है। जानकारी देते हुए स्कूल प्रचार्य स्वाति अग्रवाल ने बताया कि दस सोलर लाईटों का

सामान यहां ग्राम पंचायत प्रधान अंकुश शर्मा के माध्यम से स्कूल परिसर मे पहुच चुका है और जल्द ही उक्त लाईटें यहां फिट की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि विगत दिनो केंद्रीय विद्यालय नलेटी के दौरे पर आए एसडीएम देहरा के समक्ष हमने सोलर लाइट लगवाने की मांग रखी थी। वहीं एसडीएम धनबीर सिंह ठाकुर के अथक प्रयासों से जिलाधीश कांगड़ा डॉ. निपुण जिंदल ने दस सोलर लाईटें मुहैया करवाई है।

केविएस ने हर स्तर की गतिविधि में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया है : स्वाति अग्रवाल

केंद्रीय विद्यालय नलेटी ने 58वां स्थापना दिवस मनाया

डाडासीबा, (आपका फैसला)। बुधवार को केंद्रीय विद्यालय नलेटी में केन्द्रीय विद्यालय संगठन का 58वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षक नरेंद्र कुमार ने केन्द्रीय विद्यालय संगठन की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात कक्षा नौवीं की छात्रा आस्था ने केवीएस स्थापना दिवस

गया। कक्षा दसवीं की छात्रा अंकिता ने केंद्रीय विद्यालय के प्रशासन व प्रबंधन के साथ-साथ कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। प्राथमिक विभाग

लिए बड़े गौरव का दिन हैं। केविएस ने हर स्तर की गतिविधि में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया हैं। केविएस की हर गतिविधि का ध्येय बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। केवीएस ने अपने 58 वर्षों के दौरान भारत को विशिष्ट व्यक्तित्व वाले छात्र दिए, जिन्होंने

के वि नलेटी सुर्ख़ियों में

केंद्रीय विद्यालय नलेटी में पीयर को साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ डीएसपी अंकित शर्मा ● जागरण

इंटरनेट मीडिया का प्रयोग सावधानी से करें : डीएसपी

डाडासीबा : केंद्रीय विद्यालय नलेटी में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीएसपी देहरा अंकित शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान बच्चों किया। डीएसपी ने इंटरनेट मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि फेसबुक में अनावश्यक लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट न भेजें। यदि आपको से परेशान करता है तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। उन्होंने रोड सेफ्टी के बारे में जानकारी दी। साथ ही छात्रों को नशे से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने नशा करने से होने वाले

केवि नलेटी में स्थापना दिवस मनाया

संवाद सूत्र, डाडासीबा : केंद्रीय विद्यालय संगठन के 58वें स्थापना दिवस पर नेलटी विद्यालय में विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षक नरेंद्र कुमार ने केंद्रीय विद्यालय संगठन की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात कक्षा नौवीं की छात्रा आस्था ने शानदार भाषण प्रस्तुत किया।

विद्यालय के बच्चों ने भारत का स्वर्णिम गौरव केंद्रीय विद्यालय लाएगा गीत प्रस्तुत किया। इस गीत से विद्यालय प्रांगण गूंज उठा। कक्षा नौवीं की छात्रा ईत्स्वी ने केविएस स्थापना दिवस के उपलक्ष पर एक सुंदर कविता प्रस्तुत की, जिसमें केंद्रीय विद्यालय में आयोजित होने वाली समस्त गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। वहीं अन्य छात्रों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्राचार्य स्वाति अग्रवाल ने विद्यालय प्रांगण में उपस्थित समस्त बच्चों व शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जिस संस्था के साथ हम जुड़े हैं आज उसकी जन्मतिथि है। केविएस की स्थापना 15 दिसंबर 1963 को हुई थी, जिसने आज 58 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं और आज का दिन हमारे लिए गौरवपूर्ण है। केविएस ने हर स्तर की गतिविधि में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

केवि नलेटी में स्थापना दिवस विद्यार्थियों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

डाडासीबा : केंद्रीय विद्यालय संगठन के 58वें स्थापना दिवस पर नेलटी विद्यालय में विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालय के स्नातकोत्तर शिक्षक नरेंद्र कुमार ने केंद्रीय विद्यालय संगठन की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात कक्षा नौवीं की छात्रा आस्था ने शानदार भाषण प्रस्तुत किया। विद्यालय के बच्चों ने भारत का स्वर्णिम गौरव केंद्रीय विद्यालय लाएगा गीत प्रस्तुत किया। इस गीत से विद्यालय प्रांगण गूंज उठा। कक्षा नौवीं की छात्रा ईत्स्वी ने केविएस स्थापना दिवस के उपलक्ष पर एक सुंदर कविता प्रस्तुत की, जिसमें केंद्रीय विद्यालय में आयोजित होने वाली समस्त गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। वहीं अन्य छात्रों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्राचार्य स्वाति अग्रवाल ने विद्यालय प्रांगण में उपस्थित समस्त बच्चों व शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जिस संस्था

केवी नलेटी में शैक्षिक खिलौनों की प्रदर्शनी

गरली। केंद्रीय विद्यालय नलेटी परिसर में शनिवार को स्व निर्मित शैक्षिक खिलौनों का प्रदर्शन किया गया। स्कूल प्राचार्या स्वाति अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुए इस समारोह में स्कूल के सभी बच्चों व स्टाफ ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। बच्चों ने इस शैक्षिक खिलौना मेले का खूब आनंद उठाया तथा

केवी नलेटी को बनाया स्किल हब सेंटर

नेहरूपुखर। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार की ओर से जिले के केंद्रीय विद्यालय नलेटी को स्किल हब केंद्र बनाया गया है। जिले के ड्रॉपआउट स्टूडेंट्स के लिए अच्छी खबर है। केंद्रीय विद्यालय नलेटी में कौशल सीखने का मौका मिल सकेगा। इस कोर्स के लिए लाभार्थी को किसी भी प्रकार की फीस नहीं देनी होगी। प्रारंभ में आईटी का कोर्स शुरू किया जाएगा। इसमें डोमेस्टिक डाटा आपरेटर कोर्स को पहली जनवरी 2022 से शुरू किया जाएगा। इसकी मान्यता राष्ट्रीय कौशल विकास निगम से प्राप्त होगी। इस कोर्स की अवधि छह महीने की होगी। कोर्स के लिए लाभार्थियों को आधार युक्त बायो मीट्रिक मशीन द्वारा हाजिरी लगानी होगी और कम से कम 75 प्रतिशत हाजिरी होना अनिवार्य है। कोर्स के उपरांत कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार की ओर से सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इससे लाभार्थी डाटा एंट्री आपरेटर के पद के लिए

नलेटी विद्यालय में छात्रों को लगाया टीका

गरली। केंद्रीय विद्यालय नलेटी परिसर में सोमवार को स्कूल प्राचार्या स्वाति अग्रवाल की अध्यक्षता में कोरोना टीकाकरण का शुभारंभ हुआ। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग पीएचसी सुनेहत की टीम द्वारा किए गए कोरोना टीकाकरण में एसडीएम देहरा धनवीर सिंह ठाकुर, बीएमओ डाडासीबा डाक्टर सुभाष ठाकुर विशेष रूप से मौजूद रहे। चिकित्सा विभाग की पीएचसी सुनेहत की टीम द्वारा 15 से 18 वर्ष के विद्यार्थियों को को-वैक्सीन का टीका लगाया गया।

केन्द्रीय विद्यालय नलेटी में 15 से 18 वर्ष के छात्र-छात्राओं को लगी कोरोना टीके की दूसरी डोज

टीकाकरण करती स्वास्थ्य विभाग की टीम

सिरमूर/डाडासीबा, (प्रवीण शर्मा): 3 फरवरी को केन्द्रीय विद्यालय नलेटी में चिकित्सा विभाग की पीएचसी सुनेहत की टीम द्वारा 15 से 18 वर्ष के विद्यार्थियों को कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई गई जिसमें 114 बच्चों को कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लगी। चिकित्सा विभाग की पीएचसी टीम के सदस्य प्रियंका, एफ.एच.डब्लू. स्वेता, फार्मासिस्ट, स्वेता व रंजना, आशा वर्कर द्वारा वैक्सिनेशन किया गया। प्राचार्य महोदया ने टीकाकरण के कार्यक्रम को देखकर खुशी प्रकट की। इस टीकाकरण के अवसर पर बच्चों के माता-पिता ने अपनी सहमति देकर उत्साह दिखाया है। बच्चों में एक खासा उत्साह देखा गया। प्राचार्य महोदया स्वाति अग्रवाल ने चिकित्सा विभाग व

नलेटी में मनाया वार्षिक खेल-कूद उत्सव

डाडासीबा। केंद्रीय विद्यालय नलेटी में 17 फरवरी को वार्षिक खेल-कूद उत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्या स्वाति अग्रवाल, केंद्रीय विद्यालय,नलेटी मुख्य अतिथि रही। सबसे पूर्व मुख्य अतिथि महोदया का स्वागत किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि महोदया ने मशाल प्रज्वलित कर वार्षिक खेल उत्सव का शुभारंभ किया तथा खेलकूद प्रतियोगिताएं आरंभ करने की घोषणा की। कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा अंकाक्षा ने विद्यार्थियों को खेल भावना के साथ खेल दिवस में भाग लेने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में विद्यालय वरिष्ठ वर्ग के आधार पर विभिन्न खेल-कूद र दौड़, लोंग जंप, रिले रेस तथा शॉट पुट समें सभी बच्चों ने बढ़.चढ़ कर भाग लिया।

केंद्रीय विद्यालय नलेटी के प्रांगण में मौजूद प्रधानाचार्य, अध्यापक व विद्यार्थी ● जागरण

नलेटी में मनाया स्काउट एंड गाइड विश्व चिंतन दिवस

गरली। केंद्रीय विद्यालय नलेटी में मंगलवार को स्काउट एंड गाइड विश्व चिंतन दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया । इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या स्वाति अग्रवाल मुख्य अतिथि रही। प्राचार्या महोदया ने स्काउट एंड गाइड के

अभिभावकों की प्रतिक्रियाएं
{Parents' Feedback}

Dear school / Teacher,

Thank you and may you keep up the good work. Thank you very much for being such a wonderful teachers for my child. As a parent, I know perfect teachers are hard to find, but for me you are the best teacher, best school for my child. During lockdown I never realized that my child was lacking in anything. You all have really helped my child to outgrow and shine. Not only my child but for every single child in the schod you all have taken pain to maintain their excellence.

Thank you all for the love and care you are giving to my child each and every day. She has really become a confident and bright girl.

Sweati Kalia
Mother of Aaradhya Kalia
Class 4.

अभिभावकों की प्रतिक्रियाएं
{Parents' Feedback}

We are highly thankful to all teachers and staff who are involved in providing their best efforts to give online & offline classes to our children.

The other extra curricular activities like crafts and non-fire cooking etc not only are educative, but also keep the children busy in time of lockdown.

For the efforts I am totally amazed and have no words that how to encourage you all. Once again "thank you" for taking care of our Ward's education even in this tough time.

Parents of Vasutsayee

Class 2

Dear Teacher,

Thank you, for your hard work in supporting my daughter. as Your patience and commitment to supporting my child during lockdown has mean a lot to our family. With your guidance, my daughter has developed into a confident and capable child. The way of nurturing the children through performances and different activities has overwhelmed us. During lockdown, whenever my child faced any problem or doubt in syllabus you solved it personally. Your passion and dedication for teaching is praise-worthy.

Regards,

Mrs. Poonam Sharma

(Mother of Etishvi Sharma)

Class - 10th

2021 - 22 सत्र कोविड-19 महामारी का काल रहा। इस सत्र में कक्षाएँ आनलाईन समय-समय पर विषयवार आदरणीय अध्यापकों द्वारा लेते रहे, साथ में और भी गतिविधियाँ करवाते रहे जैसे कि सांस्कृतिक, चित्रलेखन मनोरंजन एवं विभिन्न प्रकार की अन्य प्रतियोगिताएं करवाते रहे। प्रधानाचार्य महोदया भी बच्चों के साथ समय-समय पर रुबरू होती रहीं। आप सभी इस बधाई के पात्र हैं, आप सभी को हमारी तरफ से नमस्कार।

अश्वनी कुमार

अभिभावक - हर्षिता शर्मा

कक्षा — छठी।

अभिभावकों की प्रतिक्रियाएं
{Parents' Feedback}

Sumit
XI

Parents Feedback on Academic session CLASS-X (2021-22)

First of all, We the parents of Sumit wants to thank all the teachers for teaching in such a way that we felt proud of our child and also for giving us the opportunity to share our views about the Academic session. We all know that in this period of Covid pandemic students as well as for teachers it was a very challenging to put everyone on the same page but even in this period studies were always on and with full focus. I have myself observed in middle of classes that teacher used to express things with their nearby equipments, properly managing timming of classes. In regular classes taking doubt classes, giving extra-time to students, Spending more times with students than their own families. We like to thank all the teachers for being so humble and being a perfect mentor for students and the result are the testimony to your hardwork that you all have put in. With wholeheartidly a Big thanking you to every teacher.

SANJEEV KUMAR
PARENT OF SUMIT
CLASS-X (2021-22)

अभिभावकों की प्रतिक्रियाएं
{Parents' Feedback}

Dear School and teachers,
K.V. Naleti,

I am glad to tell that I feel fortunate enough that my child is a part of an excellent School in the area. It is my pleasure to share the feedback that as a parents we are highly satisfied with the activities Counducted by you regularly and very interactive Session with Students. A big thank you to the all teachers for putting to efforts to make my daughter learn not only the class Syllabus but also extra Curicula activities. They keep the children busy in time of lockdown.

Once again "Thank you" for all your's efforts and education even in this tough tim

Parents of Ishita bhatia
class 7th

Dear Teachers,

I really appreciate your efforts to make my ward's study even in this kind of situation. Students were in touch with subject just because of your responsible efforts. Your work will be appreciated. My daughter, Vanshika was able to clarify her doubts in a proper manner. She had better concentration in online classes due to lack of classroom activities. All teachers provided comfortable learning environment to the children. Thank you for your hard work in supporting my daughters as they develop. Your patience and commitment to supporting my child has meant a lot to our family. With teachers' guidance my daughter has developed into a Confident and capable child.

Thank you for being such an important part in our child's development.

ANITA KUMARI
PARENT OF
VANSHIKA
MINHAS
CLASS-VIII (2021-2

अत्यंत हर्ष का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय नलेटी ,सत्र **2021-2022** की शैक्षणिक , सांस्कृतिक व अन्य सभी गतिविधियों के वार्षिक अनुभव अभिभावकों से मांगे गये है। विद्यालय ने जब कोरोना जैसी महामारी के कारण स्कूल बंद हुये, तब भी छात्रों की पढाई को निरन्तर ऑनलाइन माध्यम से जारी रखा । पढाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों, को भी बड़े बेहतरीन तरीके से जारी रखा। छात्रों की पढाई बाधित नहीं होने से छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहा। छात्रों को ऑनलाइन योगा करवाई गई जिससे स्वास्थ्य भी बना रहा व ऑनलाइन गूगलमीट के जरिये सभी अभिभावकों को एक साथ जोड़ कर हर अनुभव को साझा किया गया ताकि किसी भी कमी को विद्यालय दूर कर सकें। जब स्कूल दोबारा से आरम्भ हुये तो स्कूल प्रशासन द्वारा कोविड नियमो का पूरा ध्यान रखा और पढाई को ऑफलाइन शुरू किया। छात्रों का भविष्य बनाने के लिये विद्यालय हर संभव प्रयास कर रहा है। इसके साथ -साथ मनोरंजन, सांस्कृतिक, चित्रलेखन व खेलकूद प्रतियोगिता करवा कर विद्यालय छात्रों को हर क्षेत्र में आगे बढा रहा है छात्र जीवन की अनुभूतियां व गतिविधियां ऐतिहासिक एवं स्मरणीय होती है। विद्यालय छात्रों व अभिभावकों से लेकर प्रशंसनीय प्रयास कर रहा है इस पुनीत कार्य में लगे विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक , कर्मचारी, अधिकारी एवं छात्र बधाई के पात्र है।

हम छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है और केन्द्रीय विद्यालय नलेटी का पुनः इस कार्य के लिये कोटि-कोटि नमन करते है।

राकेश चौधरी, अभिवावक, अरमान चौधरी कक्षा – छठी

अभिभावकों की प्रतिक्रियाएं
{Parents' Feedback}

"What is the shortest word in the English language that contains the letters: abcdef?

Answer: feedback.

Don't forget that feedback is one of the essential elements of good communi-cation."

"All that is valuable in human society depends upon the opportunit y for developme nt accorded the individual."

– Albert Einstein

Kendriya Vidyalaya Naleti is a prominent educational institution in this area. My daughter, Rashi Sharma is a student of class 8th in this school. In last academic session 2021-22, she was in class 7th. In the beginning of session, it was not possible to attend school physically as physical classes were suspended due to Covid-19 pandemic.

As a parent, I was very much concerned about my daughter's studies. At this time, Principal and teachers of this Vidyalaya took timely efforts and initiative to reach the students in online mode. School organised online classes with a proper time-table. Teachers made sincere efforts to teach students. They arranged online tests and quizzes to make teaching learning more effective and interesting. Classes of art education were very helpful for students to get relief from boredom at home. I could see a smile and happiness on the face of my daughter while she was busy with colours and drawing sheets. During library classes, librarian Sir imparted value education through story telling. About, in the month of November 2021, school called students for physical classes. School administeration followed covid related SOP strictely to ensure the safety of our children.

At the school gate, there was a proper arrangement of hand sanitization. During offline classes, teachers focused revision and reteaching of topics of Term-2. Due to tired less efforts of teachers, my daughter regained the confidence to appear in the offline session ending examination.

In the month of February, school organised annual function. We could see its live telecast by clicking a link shared by school in whatsapp group of class.

I thank the school Principal and staff from the core of my heart for showing such belongingness to our children.

Surender Paul
Father of Rashi Sharma
Class 8th
Kendriya Vidyalaya Naleti

"I think it's very important to have a feedback loop, where you're constantly thinking about what you've done and how you could be doing it better."

– Elon Musk

"To acquire knowledge, one must study; but to acquire wisdom, one must observe."

– Marilyn vos Savant

अभिभावकों की प्रतिक्रियाएं
{Parents' Feedback}

केन्द्रीय विद्यालय शिक्षा प्रणाली को मजबूती एवं दिशा प्रदान करने वाली एक संस्था है। जो सभी को शिक्षा के समान अवसर प्रदान करने हेतु निरंतर कार्य करता है।
यह संगठन भारतीय शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के प्रयासों में से एक है। केन्द्रीय विद्यालय में आधुनिक तकनीकों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा प्रदान की जाती है।

सबसे पहले कुछ पंक्तियों के साथ शुरुआत करूँगी —

"केवी एस का शिक्षा में अपना ही मुकाम है
इसे सारे विश्व में मिलता सम्मान है।"

केन्द्रीय विद्यालय नलेटी बच्चों का सर्वांगीण विकास करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।
इसमें निहित पाठ्यक्रम व पाठ्य सहगामी क्रियाएं जो कि सत्र (2021-2022) में हमारे बच्चों को करवाई गई बहुत ही सराहनीय है।
कोरोना काल में जहाँ कुछ विद्यालय शिक्षा के नाम पर मोबाइल फोन में गृह कार्य डालकर अपना कार्य कर रहे थे वहीं केन्द्रीय विद्यालय नलेटी पुरजोर के साथ Online Class लगाकर बच्चों को शिक्षा प्रदान करता रहा।
मुख्य अध्यापिका (Principal) का मुख्य योगदान इस संस्था में सबसे महत्त्वपूर्ण व सराहनीय है।

केवी एस नलेटी में CCA व पाठ्य सहगामी क्रियाएं समय-समय पर होती ही रहती हैं जिनसे हमारे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो रहा है।

बस एक विनती करना चाहूँगी प्रत्येक बच्चे को CCA में भाग दिलवाया जाए।

के.वी. एस कल भी एक प्रतिष्ठित संस्था थी और आज भी कल भी रहेगी।

धन्यवाद।

केवी एस तुम यूं ही अग्रसर हो
यह कामना है मेरी,
तुम्हारी शिक्षा से सभी फलीभूत हों
यह शुभकामना है मेरी।

Parent of Nav
Kalpana Devi
Class - IV

"We all need people who will give us feedback. That's how we improve."
– Bill Gates

... [illegible] रहे। शिक्षक मैडम ने भाँति के शिक्षा सहयोग रही। पिछले सत्र (2020-2021) में मेरी पुत्री केन्द्रीय ऑनलाइन इसी पद्धति से अनवरत शिक्षण से जुड़ी रही। मैं केन्द्रीय विद्यालय, नलेटी के प्रशासन वर्ग व शिक्षकों का आभार [illegible] विपरीत परिस्थितियों में भी प्रदान की जाने वाली शिक्षा स्तर [illegible] रही। शिक्षकों ने न केवल [illegible] उपकरणों द्वारा सम्पूर्ण सत्र का पाठ्यक्रम पूर्ण किया बल्कि शिक्षण के साथ-साथ शिक्षणेत्तर गतिविधियों का भी ऑन-लाइन बेहतर आयोजन करवाया, जिसमें विविध प्रतियोगिताओं तथा सम्पूर्ण वर्ष के उत्सवों से संबंधित गतिविधि न केवल आयोजित किए, बल्कि वे सफल भी रहे। इन सब के लिए मैं केन्द्रीय विद्यालय नलेटी के प्रशासन वर्ग व शिक्षकों को हार्दिक बधाई देती हूँ व वे सभी अभिनन्दन के पात्र हैं।

डॉ० भारती [illegible]

"Feedback is a gift. Ideas are the currency of our next success.
Let people see you value both feedback and ideas."

– Jim Trinka and Les Wallace

Students, Staff and the Principal

of

K. V. Naleti, KVS, R.O. Gurgaon

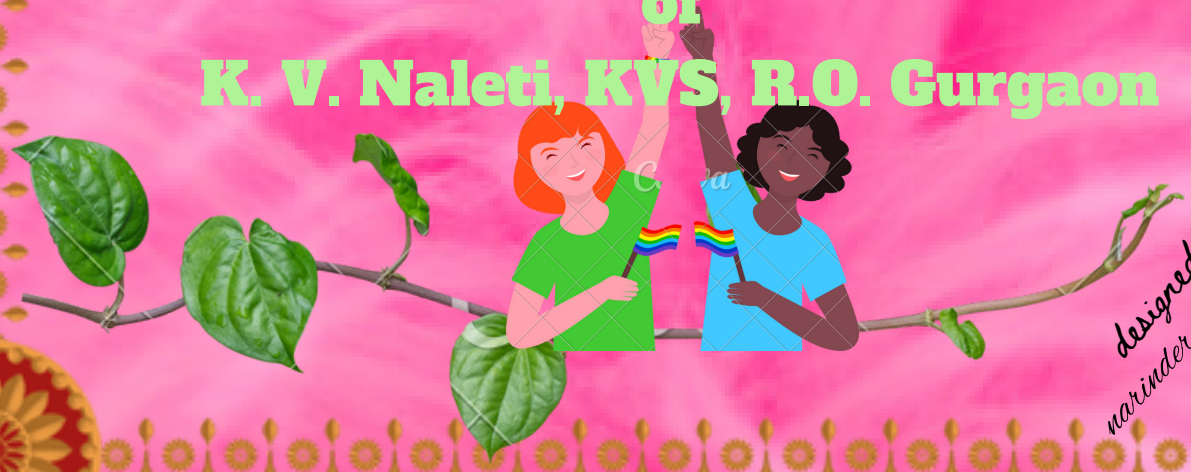

designed by
narinder kumar jassal
pgt English